विषय सूची

पाठ्यक्रम-एक दृष्टि 1-2

सञ्चार विभाग 3-7

कम्प्यूटर साइंस विभाग 8-10

शिक्षाशास्त्र विभाग 11-12

पर्यावरण विज्ञान विभाग 13-14

भारतीय संस्कृति एवं पर्यटन विभाग. 15-17

भाषा विभाग 18-19

प्राच्य अध्ययन विभाग 20-22

मनोविज्ञान विभाग 23

ग्राम प्रबन्धन विभाग 24-26

योग एवं स्वास्थ्य विभाग 27-33

स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम 34

च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सी.बी.सी.एस्.)दिशा निर्देश 35-36

पाठ्यक्रम-एक दृष्टि

कोर्स कोड	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	सीट संख्या	अनुरक्षण राशि (प्रति सेमेस्टर) (रूपयों में)	(अमेरिकी डॉलर में)
सञ्चार विभाग					
D02	एडवांस डिप्लोमा – विजुअल इफेक्टस: 3डी कम्प्यूटर ग्राफिक्स	२ वर्ष	०५	५००००	२७००
B05	बी.एस्.-सी. एनिमेशन	३ वर्ष	१५	४५,५००	२,५००
B06	बी. ए. पत्रकारिता एवं जनसञ्चार	३ वर्ष	१५	२३,०००	१,२५०
M05	एम्. ए. पत्रकारिता एवं जनसञ्चार	२ वर्ष	१०	२५,०००	१,४००
M71	एम्. फिल्. पत्रकारिता एवं जनसञ्चार**	१ वर्ष	०५	४०,०००	२,२५०
H03	पी-एच्. डी. पत्रकारिता एवं जनसञ्चार *				
कम्प्यूटर साइंस विभाग					
B08	बी.एस्.सी. (आई टी)	३ वर्ष	१५	२०,०००	१,२५०
B04	बी.सी.ए.	३ वर्ष	२५	४२,०००	२,२५०
M58	एम्.सी.ए.	३ वर्ष	१५	५०,०००	२७००
H07	पी-एच्. डी. कम्प्यूटर साइंस *				
शिक्षाशास्त्र विभाग					
B03	बी.एड्.	२ वर्ष	२५	३२,०००	१,८००
M04	एम्. ए. व्यावहारिक शिक्षा	२ वर्ष	०५	१५,०००	१,०००
H06	पी-एच्. डी. शिक्षाशास्त्र *				
पर्यावरण विज्ञान विभाग					
B11	बी.एस्.-सी. पर्यावरण विज्ञान (ऑनर्स)	३ वर्ष	१०	२०,०००	१,२५०
M56	एम्. एस्.-सी. पर्यावरण विज्ञान	२ वर्ष	१०	२०,०००	१,२५०
H11	पी-एच्. डी. पर्यावरण विज्ञान *				
भारतीय संस्कृति एवं पर्यटन विभाग					
B07	बी.बी.ए. टूरिज्म एण्ड ट्रैवल मैनेजमेन्ट	३ वर्ष	१०	२३,०००	१,२५०
M07	एम्.बी.ए. टूरिज्म एण्ड ट्रैवल मैनेजमेन्ट	२ वर्ष	१५	३२,०००	१,८००
M06	एम्. ए. भारतीय इतिहास एवं संस्कृति	२ वर्ष	०५	१५,०००	१,०००
H08	पी-एच्. डी. पर्यटन *				
H09	पी-एच्. डी. इतिहास *				
भाषा विभाग					
M09	एम्. ए. संस्कृत	२ वर्ष	०५	१५,०००	१,०००
M10	एम्. ए. हिन्दी	२ वर्ष	०५	१५,०००	१,०००
H10	पी-एच्. डी. संस्कृत *				
H12	पी-एच्. डी. हिन्दी *				

पाठ्यक्रम-एक दृष्टि

कोर्स कोड	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	सीट संख्या	अनुरक्षण राशि (प्रति सेमेस्टर) (रूपयों में)	(अमेरिकी डॉलर में)
प्राच्य अध्ययन विभाग					
C03	प्रमाण-पत्र धर्मविज्ञान	६ माह	१०	२०,०००	१,२५०
P04	पी. जी. डिप्लोमा धर्मविज्ञान और मनोवैज्ञानिक परामर्श	१ वर्ष	१०	२०,०००	१,२५०
M11	एम्.ए. संगीत(गायन)	२ वर्ष	५	१५,०००	१,०००
H04	पी-एच्. डी. प्राच्य अध्ययन *				
मनोविज्ञान विभाग					
M01/M51	एम्.ए./एम्.एस्.-सी. नैदानिक मनोविज्ञान	२ वर्ष	३०	२०,०००	१,२५०
H02	पीएच्. डी. मनोविज्ञान *				
ग्राम प्रबन्धन विभाग					
C10	प्रमाण-पत्र पशु प्रजनन एवं प्रबन्धन	६ माह	०५	२०,०००	१,२५०
B10	बैचलर ऑफ रूरल स्टडीज़	३ वर्ष	१०	२०,०००	१,२५०
M57	एम्.एस्.-सी. एप्लाइड मेडिसिनल प्लाण्ट साइंसेज़	२ वर्ष	०५	२०,०००	१,२५०
योग एवं स्वस्थ्य विभाग					
C04	प्रमाण-पत्र योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा	६ माह	२०	२०,०००	१,२५०
P01	पी. जी. डिप्लोमा मानव चेतना, योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा	१ वर्ष	१०	२०,०००	१,२५०
P05	पी. जी. डिप्लोमा आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य	१ वर्ष	१०	२०,०००	१,२५०
B09	बी. एस्. सी. योग विज्ञान(ऑनर्स)	३ वर्ष	३०	२०,०००	१,२५०
M52	एम्. एस्.-सी. व्यावहारिक योग एवं मानव उत्कर्ष	२ वर्ष	२०	२०,०००	१,२५०
M54	एम्. एस्.-सी. योग विज्ञान एवं समग्र स्वास्थ्य	२ वर्ष	१५	२०,०००	१,२५०
M55	एम्.एस्.-सी. मानव चेतना एवं योग विज्ञान	२ वर्ष	१५	२०,०००	१,२५०
H01	पी-एच्. डी. मानव चेतना एवं योग विज्ञान *				
स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम					
B01	बी.ए.	३ वर्ष	४०	२०,०००	१,२५०

* पी-एच्.डी. कार्यक्रम के बारे में विवरण पी-एच्.डी. प्रकोष्ठ, कुलसचिव कार्यालय, देव संस्कृति विश्वविद्यालय के वेबसाइट(www.dsvv.ac.in) के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।
**एम्.फिल्. के पाठ्यक्रम की अवधि १ वर्ष एवं अधिकतम अतिरिक्त ६ माह लघु शोध प्रबन्ध के लिए है।

- विश्वविद्यालय उच्च शोध डिग्री के लिए डी. एस्सी. / डी. लिट्. कार्यक्रम चलाता है जिनमें आवेदन कि कोई अंतिम तिथि नहीं है। डी. एस्सी. / डी. लिट्. कार्यक्रम के बारे में विवरण, कुलसचिव कार्यालय, देव संस्कृति विश्वविद्यालय के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।
- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की २०% सीटें इन्टीग्रेटेड विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित रखी जायेंगी।
- प्रशासन के आदेशानुसार जम्मू कश्मीर के आवेदकों हेतु 2 सीटें सुरक्षित रखी जायेंगी।

एडवांस डिप्लोमा – विजुअल इफेक्ट्स : 3डी कम्प्यूटर ग्राफिक्स [D02]

कोर्स		क्रेडिट	मूल्याङ्कन के अङ्क (बाह्य + आंतरिक)
सत्र १			
ADA101	VFX Fundamentals	2	70+30
ADA102	3D Fundamentals	2	70+30
ADA103	Practical - VFX Fundamentals	2	100
ADA104	Practical - 3D Fundamentals	2	100
ADA105	Practical -Pre Production & Photography Fundamentals	2	100
ADA106	Project	2	100
Generic Elective	As per University Options		
	Life Management	2	100
सत्र २			
ADA201	3D Intermediate	2	70+30
ADA202	Visual Effects Intermediate	2	70+30
ADA203	Practical Project (3D Intermediate)	2	100
ADA204	Practical Project (VFX Intermediate)	2	100
ADA205	Practical - 3D Sculpting	2	100
ADA206	Project	2	100
Generic Elective	As per University Options		
	Life Management	2	100
सत्र ३			
ADA301	Pre production Advance	-	-
ADA302	3D Intermediate-II	-	-
ADA303	Look Development	-	-
ADA304	Story Telling	-	-
ADA305	Practical Project	-	-
ADA306	Intermediate Yogic Science-III	-	-
Generic Elective	As per University Options		
	Life Management	2	100
सत्र ४			
ADA401	3D Advance lighting (V-Ray & Arnold)	-	-
ADA402	3D Rigging	-	-
ADA 403	3D Animation	-	-
ADA404	Art and Acting for Animation	-	-
ADA 405	Practical Project	-	-
ADA 406	Intermediate Yogic Science-IV		
Generic Elective	As per University Options		
	Life Management	2	100

* यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सी. बी. सी. एस्. प्रतिरूप के अनुसार संशोधित किया जायेगा।

Note : One academic tour

डिप्लोमा पाठ्यक्रम

अवधि
2 वर्ष

उद्देश्य
इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य एडवांस 3डी कम्प्यूटर ग्राफिक्स फॉर विजुअल इफेक्टस में दक्ष कराना है एवं फिल्म और टेलीविजन व्यवसाय में प्रयुक्त विजुअल इफेक्टस का प्रभावी उपयोग सिखाना है।

पाठ्यक्रम के विषय : 3डी जेनेरलिस्ट, 3डी मोडलर, वी.एफ.एक्स लाइटिंग और शेडिंग, टेक्सचरिंग, वी.एफ्.एक्स ऐनीमेटर, मेचमूवर, वी.एफ्.एक्स स्पेशल इफेक्ट, एडवर्टाइजिंग और रिटेल इत्यादि।

जीविकोपार्जन के अवसर
- कंपोज़ीटर
- मैच मोवेर
- नमूना बनानेवाला
- मेकेनिक
- एनिमेटर
- थ्री डी जेनेरलिस्ट
- ट्रैकिंग कलाकार
- ग्राफिक डिजाइनर
- मैट प्रिण्टर

बी.एस्.-सी. एनिमेशन [B05]

कोर्स		क्रेडिट	मूल्याङ्कन के अङ्क (बाह्य + आंतरिक)
सत्र १			
BAN101	VFX Fundamentals	2	70+30
BAN102	3D Fundamentals	2	70+30
BAN103	Practical - VFX Fundamentals	2	100
BAN104	Practical - 3D Fundamentals	2	100
BAN105	Practical -Pre Production & Photography Fundamentals	2	100
BAN106	Project	2	100
Generic Elective	As per University Options		
	Life Management	2	100
सत्र २			
BAN201	3D Intermediate	2	70+30
BAN202	Visual Effects Intermediate	2	70+30
BAN203	Practical Project (3D Intermediate)	2	100
BAN204	Practical Project (VFX Intermediate)	2	100
BAN205	Practical - 3D Sculpting	2	100
BAN206	Project	2	100
Generic Elective	As per University Options		
	Life Management	2	100
सत्र ३			
BAN301	Pre production Advance	-	-
BAN302	3D Intermediate-II	-	-
BAN303	Look Development	-	-
BAN304	Story Telling	-	-
BAN305	Practical Project	-	-
BAN306	Intermediate Yogic Science-III	-	-
Generic Elective	As per University Options		
	Life Management	2	100
सत्र ४			
BAN 401	3D Advance lighting (V-Ray & Arnold)	-	-
BAN 402	3D Rigging	-	-
BAN 403	3D Animation	-	-
BAN 404	Art and Acting for Animation	-	-
BAN 405	Practical Project	-	-
BAN 406	Intermediate Yogic Science-IV	-	-
Generic Elective	As per University Options		
	Life Management	2	100
सत्र ५			
BAN 501	Particles and Dynamics Fundamentals	-	-
BAN 502	Intermediate Particles System & Dynamic Stimulations	-	-
BAN 503	Advance Particles System & Scripting	-	-
BAN 504	Digital Film Making	-	-
BAN 505	Practical Project	-	-
BAN 506	Advance Yogic Science	-	-
	Life Management	2	100
सत्र ६			
BAN 601	Advance CG	-	-
BAN 602	Advance Compositing	-	-
BAN 603	Showreel development & Short Film Making	-	-
BAN 604	Alternative Therapy-VI	-	-
	Life Management	2	100

*** यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सी. बी. सी. एस्. प्रतिरूप के अनुसार संशोधित किया जायेगा।**

स्नातक पाठ्यक्रम

अवधि
3 वर्ष

उद्देश्य
प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विजुअल इफेक्ट्स : कम्पोसिटिंग तथा 3D एनिमेशन का विस्तृत और नवीनतम ज्ञान टेक्नोलॉजी के माध्यम से प्रदान करना, है। फिल्म और टीवी प्रोडक्शन से जुड़े प्रोडक्शन हाउसेस में इन विद्यार्थियों के लिए कॅरियर की अनंत संभावनाएँ मौजूद हैं।

जीविकोपार्जन के अवसर
- कंपोज़ीटर
- मैच मोवेर
- नमूना बनानेवाला
- मेकेनिक
- एनिमेटर
- थ्री डी जेनेरलिस्ट
- ट्रैकिंग कलाकार
- ग्राफिक डिजाइनर
- मैट प्रिंटर

बी.ए. – पत्रकारिता एवं जनसञ्चार [B06]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अङ्क (बाह्य + आंतरिक)
सत्र १			
BJM101	सञ्चार : सिद्धान्त एवं प्रक्रिया	4	70+30
BJM102	भाषा कौशल – हिन्दी,अंग्रेजी	4	70+30
BJM103	प्रायोगिक	2	
BJM104	प्रायोगिक	2	
BJM105	कम्प्यूटर कौशल-1	3	70+30
सामान्य ऐच्छिक	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार	4	70+30
सामान्य ऐच्छिक प्रयोगात्मक	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार	2	
योग्यता सम्वर्धन	अंग्रेजी भाषा	4	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र २			
BJM201	रिपोर्टिंग एवं सम्पादन	4	70+30
BJM202	भारत का समकालीन इतिहास	4	70+30
BJM203	प्रायोगिक	2	
BJM204	प्रायोगिक	2	
BJM205	कम्प्यूटर कौशल-2	3	70+30
सामान्य ऐच्छिक	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार	4	70+30
सामान्य ऐच्छिक प्रयोगात्मक	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार	2	
योग्यता सम्वर्धन	पर्यावरण विज्ञान	4	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ३			
BJM301	भारतीय पत्रकारिता का इतिहास	4	70+30
BJM302	मीडिया कानून एवं नीतियाँ	4	70+30
BJM303	भारतीय संविधान और राजव्यवस्था	4	70+30
BJM304	प्रायोगिक	2	
BJM305	प्रायोगिक	2	
BJM306	प्रायोगिक	2	
BJM307	कम्प्यूटर कौशल-3	3	70+30
सामान्य ऐच्छिक	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार	2	70+30
सामान्य ऐच्छिक प्रयोगात्मक	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार	2	
योग्यता सम्वर्धन	रेडियो प्रॉडक्शन	2	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ४			
BJM401	टीवी पत्रकारिता	4	70+30
BJM402	विकास सञ्चार	4	70+30
BJM403	भारत की सामाजिक सांस्कृतिक संरचना	4	70+30
BJM404	प्रायोगिक	2	
BJM405	प्रायोगिक	2	
BJM406	प्रायोगिक	2	
BJM407	कम्प्यूटर कौशल-4	3	70+30
सामान्य ऐच्छिक	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार	2	70+30
सामान्य ऐच्छिक प्रयोगात्मक	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार	2	
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ५			
BJM501	न्यु मीडिया	4	70+30
BJM502	मीडिया प्रबन्धन	4	70+30
BJM503	प्रायोगिक	2	
BJM504	प्रायोगिक	2	
BJM505	मीडिया उद्योग एवं प्रबन्धन	4	70+30
BJM506	प्रिण्ट पत्रकारिता एवं प्रस्तुतीकरण	4	70+30
BJM507	फोटोग्राफी	4	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ६			
BJM601	विज्ञापन एवं जनसम्पर्क	4	70+30
BJM602	वैश्विक मीडिया एवं राजनीति	4	70+30
BJM603	प्रायोगिक	2	
BJM604	प्रायोगिक	2	
BJM605	मल्टीमीडिया पत्रकारिता	4	70+30
BJM606	प्रोजेक्ट	6	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100

स्नातक पाठ्यक्रम

अवधि
3 वर्ष

उद्देश्य
इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य मीडिया जगत के लिये ऐसे व्यक्ति को तैयार करना है जो आगे चलकर मूल्य परक पत्रकारिता के माध्यम से जन जागरण का कार्य कर सकें। इस पाठ्यक्रम में पढ़ने वाले विद्यार्थी को सिविल एवं अन्य परिक्षाओं की तैयारी में भी लाभ मिलेगा।

जीविकोपार्जन के अवसर
- रिपोर्टर, डिजाइनर, उप-सम्पादक समाचार पत्र एवं पत्रिका (रेडियो और टीवी)
- पटकथा लेखक, सामग्री लेखक, सम्पादक
- फोटोग्राफर
- डॉक्यूमेंटरी मेकर
- जनसम्पर्क अधिकारी
- प्रकाशन एवं प्रोडक्शन

एम्.ए. – पत्रकारिता एवं जनसञ्चार [M05]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
MJM101	सञ्चार सिद्धान्त और प्रक्रिया	4	70+30
MJM102	रिपोर्टिंग एवं सम्पादन	4	70+30
MJM103	भारतीय पत्रकारिता का इतिहास	4	70+30
MJM104	कम्प्यूटर कौशल	3	70+30
MJM105	प्रिण्ट मीडिया	2	50+50
MJM106	रचनात्मक लेखन	2	70+30
MJM107	समसामयिक मुद्दे	2	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र २			
MJM201	सामाजिक परिवर्तन और विकास सञ्चार	4	70+30
MJM202	मीडिया कानून और आचार संहिता	4	70+30
MJM203	अन्तर-सांस्कृतिक सञ्चार	4	70+30
MJM204	कम्प्यूटर कौशल	3	70+30
MJM205	विकास सञ्चार	2	50+50
MJM206	फोटोग्राफी की मूल बातें	2	70+30
MJM207	पटकथा लेखन	2	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ३			
MJM301	आजादी के बाद का भारत	4	70+30
MJM302	मीडिया शोध	4	70+30
MJM303	टीवी पत्रकारिता/रेडियो पत्रकारिता	4	70+30
MJM304	समाचार निर्माण वृत्तचित्र निर्माण/सामुदायिक रेडियो प्रबन्धन	4	70+30
MJM305	कम्प्यूटर कौशल	3	50+50
MJM306	मीडिया परियोजना	4	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ४			
MJM401	भारत की राजनीतिक प्रणाली	4	70+30
MJM402	मीडिया प्रबन्धन	4	70+30
MJM403	विज्ञापन/जनसम्पर्क	4	70+30
MJM404	मीडिया डिजाइन/इवेंट मैनेजमेंट	4	70+30
MJM405	कम्प्यूटर कौशल	3	50+50
MJM406	मीडिया शोध प्रबन्ध	6	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

अवधि
2 वर्ष

उद्देश्य
इस पाठयक्रम का मुख्य उद्देश्य यथार्थ को जनसाधारण तक पहुँचाना तथा इस विधा पर छाये हुए कुहासे को भी हटाना है। पत्रकारिता जन-जागृति का सशक्त माध्यम बने इसका समुचित प्रयास करना तथा लोकतन्त्र के चतुर्थ स्तम्भ को सुदृढ़ करना है।

जीविकोपार्जन के अवसर
- रिपोर्टर, डिजाइनर, उप-सम्पादक समाचार पत्र एवं पत्रिका (रेडियो और टीवी)
- पटकथा लेखक, सामग्री लेखक, सम्पादक
- डॉक्यूमेंटरी मेकर
- जनसम्पर्क अधिकारी
- प्रकाशन एवं प्रोडक्शन

एम्.फिल्. – पत्रकारिता एवं जनसञ्चार [M71]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र ।			
MPJ101	सञ्चार सिद्धान्त एवं कार्यप्रणाली	4	70+30
MPJ102	पत्रकारिता एवं मीडिया के मुददे्	4	70+30
MPJ103	उन्नत सञ्चार शोध	4	70+30
MPJ104	मीडिया शिक्षण-1	3	100
MPJ105	सङगोष्ठी -1 (सेमिनार)	1	50
सत्र ।।			
MPJ201	भारतीय सञ्चार प्रणाली एवं वैश्विक परिदृश्य	4	70+30
MPJ202	विकास सञ्चार एवं सामाजिक परिवर्तन	4	70+30
MPJ203	मीडिया शिक्षण -2	4	50+50
MPJ204	सङगोष्ठी -2 (सेमिनार)	1	50
MPJ205	लघु शोध प्रबन्ध	3	70+30

एम्. फिल्.

अवधि

१ वर्ष(१ वर्ष नियमित + लघु शोध कार्य हेतु अधिकतम छः माह)

उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ऐसे शोधार्थी तैयार करना है जिनको अपने विषय की बहुआयामी जानकारी हो एवं जो उच्च शिक्षा हेतु शोध कौशल की गहराई से अध्ययन करना चाहते हैं साथ ही अकादमिक शिक्षण हेतु कुशल शिक्षक तैयार करना।

जीविकोपार्जन के अवसर

- अकादमिक शिक्षण
- शोध से सम्बद्ध कार्य

बी.एस्-सी. ~ सूचना प्रौद्योगिकी [B08]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
Semester I			
BIT101	Fundamentals of IT	4	70+30
BIT102	Fundamental Concept of Programming	4	70+30
BIT103	Fundamentals of IT Lab	2	35+15
Generic Elective	As per University Options	4	70+30
Ability Enhancement	Environment Science	2	35+15
	Life Management	2	50
Semester II			
BIT201	Programming in C	4	70+30
BIT202	Operating System	4	70+30
BIT203	Programming in C Lab	2	35+15
Generic Elective	As per University Option	4	70+30
Ability Enhancement	Professional Communication	2	35+15
	Life Management	2	50
Semester III			
BIT301	Data Communication and Computer Networks	4	70+30
BIT302	Financial Accounting and Management	4	70+30
BIT303	Data Communication and Computer Networks Lab	2	35+15
Skill Enhancement	As per University Options	4	70+30
Discipline SE	Open Source Technology	2	35+15
	Life Management	2	50
Semester IV			
BIT401	Object Oriented Programming using C++	4	70+30
BIT402	Database Management Systems	4	70+30
BIT403	Object Oriented Programming using C++ Lab	2	35+15
Skill Enhancement	As per University Option	4	70+30
Discipline Specific Elective	Tally	2	35+15
	Life Management	2	50
Semester V			
BIT501	Web Technology	4	70+30
BIT502	System Analysis and Design	4	70+30
BIT503	Web Technology Lab	2	35+15
Discipline Specific Elective	Transaction Processing System/ Management Information System	4	70+30
Discipline Specific Elective	Mobile Application Development /Emerging Technologies and Innovations in IT	2	35+15
	Life Management	2	50
Semester VI			
BIT601	Entrepreneurial Development	4	70+30
BIT602	Entrepreneurial Project	8	100+100
Discipline Specific Elective	Virtualization and Cloud Computing/Green Computing/Technology Enabled Education	4	70+30
	Life Management	2	50

स्नातक पाठ्यक्रम

अवधि
३ वर्ष

उद्देश्य
इस कार्यक्रम का उद्देश्य कम्प्यूटर के बारे में कामकाजी ज्ञान विकसित करना और वाणिज्यिक और वैज्ञानिक अनुप्रयोगों के विकास में प्रभावी ढंग से कम्प्यूटर का उपयोग करने के लिए कौशल प्रदान करना है।

जीविकोपार्जन के अवसर
- सॉफ्टवेयर डेवेलपर
- सॉफ्टवेयर टेस्टर
- वेब डिज़ाइनर
- नेटवर्क एण्ड सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर
- डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर

बी.सी.ए.–बैचलर ऑफ कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन [B04]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
BCA101	Basics of Computer & C programming	4	70+30
BCA102	Operating System	4	70+30
BCA103	C programming Lab	2	35+15
BCA104	Operating System Lab	2	35+15
General Elective	As per University Options	4	70+30
Ability Enhancement :	Professional Communication	2	50
	Life Management (Creative Excellence)	2	50
सत्र २			
BCA201	Data Structure Using C	4	70+30
BCA202	Computer organization	4	70+30
BCA203	Data Structure Using C Lab	2	35+15
BCA204	Computer Organization Lab	2	35+15
General Elective	As per University Options	4	70+30
Ability Enhancement :	Environmental Science	2	50
	Life Management	2	50
सत्र ३			
BCA301	Database Management System	4	70+30
BCA302	Data Communication and Computer Networks	4	70+30
BCA303	Software Engineering	4	70+30
BCA304	Database Management System Lab	2	35+15
BCA305	Data Communication & Computer Network Lab	2	35+15
BCA306	Software Engineering Lab	2	35+15
Skill Enhancement :	Office Automation / Tally	2	50
General Elective	As per University Options	4	100
	Life Management	2	50
सत्र ४			
BCA401	Computer Graphics	4	70+30
BCA402	Object Oriented Programming using Java	4	70+30
BCA403	Computer Based Numerical Technique	4	70+30
BCA404	Computer Graphics Lab	2	35+15
BCA405	Object Oriented Programming using Java Lab	2	35+15
BCA406	Computer Based Numerical Techniques Lab	2	35+15
Skill Enhancement :	Search Engine Optimization / Open Source Technology	2	50
General Elective	As per University Options	4	100
	Life Management	2	50
सत्र ५			
BCA501	C# .NET	4	70+30
BCA502	Internet & Web Technology	4	70+30
BCA503	C# .NET Lab	2	35+15
BCA504	Internet & Web Technology Lab	2	35+15
DSE	E Commerce / Mobile App Development	4	70+30
DSE	E Commerce Lab / Mobile App Development Lab	2	35+15
DSE	Cyber Security / Ethical Hacking	4	70+30
BCA508	Project Synopsis	2	35+15
	Life Management	2	50
सत्र ६			
BCA601	Project	6	100+50
BCA602	Artificial Intelligence	4	70+30
DSE	Basics of Multimedia and Animation/ Data Mining & Warehousing	4	70+30
DSE	Animation Lab	2	35+15
DSE	Technology Enabled Learning/Cryptography	4	70+30
	Social Internship	4	100
	Life Management	2	50

स्नातक पाठ्यक्रम

अवधि
3 वर्ष

उद्देश्य
इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य कम्प्यूटर का सामान्य ज्ञान प्रदान करना एवं उनके द्वारा विभिन्न व्यावसायिक एवं वैज्ञानिक एप्लीकेशन के निर्माण का कौशल प्रदान करना है।

जीविकोपार्जन के अवसर
- सॉफ्टवेयर डेवेलपर
- सॉफ्टवेयर टेस्टर
- वेब डिजाइनर
- नेटवर्क और सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर
- डाटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर

टिप्पणी:
यह पाठ्यक्रम केवल अंग्रेजी माध्यम में ही उपलब्ध है।

एम्.सी.ए.-मास्टर ऑफ कम्प्यूटर ऐप्लिकेशन [M58]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
MCA101	Fundamentals of Computers	4	70+30
MCA102	Digital Electronics	4	70+30
MCA103	Mathematical Foundation of Computer Science	4	70+30
MCA104	Programming and Problem Solving in 'C'	4	70+30
MCA105	Fundamental of Programming	2	35+15
Generic Elective	As per University Options	4	70+30
Practical	Programming and Problem Solving in C Lab	2	35+15
	Seminar/Presentation	2	50
	Life Management	2	50
सत्र २			
MCA201	Data Structure using 'C'	4	70+30
MCA202	Computer Organization	4	70+30
MCA203	Computer Based Numerical & Statistical Techniques	4	70+30
MCA204	Operating System	4	70+30
MCA205	System Analysis and Design	2	35+15
Generic Elective	As per University Options	4	70+30
Practical	Data Structure using 'C' Lab	2	35+15
	Unix & Shell Programming Lab	2	35+15
	Industrial Tour/Certification*	2	50
	Life Management	2	50
सत्र ३			
MCA301	Database Management System	4	70+30
MCA302	Design and Analysis of Algorithms	4	70+30
MCA303	C# Programming with .Net Framework	4	70+30
MCA304	Object Oriented Analysis & Design	4	70+30
MCA305	Computer Based Optimization Techniques	2	35+15
DSE	Vedic Informatics / Green Computing/Cloud Computing	4	70+30
MCA307	.Net Lab	2	35+15
	Life Management	2	50
सत्र ४			
MCA401	Data Communication & Computer Networks	4	70+30
MCA402	Computer Graphics	4	70+30
MCA403	Software Engineering	4	70+30
MCA404	Java Programming	4	70+30
MCA405	System Programming	2	35+15
DSE	Multimedia computing/technology Enabled Learning/ Embedded System	4	35+15
Practical	Computer Graphics Lab	2	35+15
	Mini Project (Java Programming Lab)	2	35+15
	Industrial Tour/Certification*	2	50
	Life Management	2	50
सत्र ५			
MCA501	Advanced Java Programming	4	70+30
MCA502	Cryptography and Network Security	4	70+30
MCA503	Artificial Intelligence	4	70+30
MCA504	Theory of Computing	4	70+30
MCA506	Mobile Computing	2	35+15
DSE	Compiler Design/Business Intelligence/Internet of Things	4	70+30
Practical	Advanced Java Programming Lab	2	35+15
	Mini Project	2	35+15
	Life Management	2	50
सत्र ६			
MCA601	Major Project	24	400+200

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

अवधि
३ वर्ष

उद्देश्य
इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को एक विस्तृत श्रेणी के अनुप्रयोगों में समस्याओं का विश्लेषण करने के लिए और छात्रों को उद्यम सॉफ्टवेयर प्रबन्धन पद्धतियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रशिक्षण देना है।

जीविकोपार्जन के अवसर
- सॉफ्टवेयर डेवलपर
- प्रोग्रामर
- अभियन्ता
- समस्या निवारक
- तन्त्र विश्लेषक
- सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन आर्किटेक्ट
- सॉफ्टवेयर सलाहकार
- हार्डवेयर इंजीनियर
- तकनीकी लेखक
- सिस्टम डेवलपर
- वेब डिजाइनर और डेवेलपर
- एक नया उद्यम शुरू करना

बी. एड् – बैचलर ऑफ एजुकेशन [B03]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
BED101	बाल्यावस्था और विकास	6	70+30
BED102	समकालीन भारत और शिक्षा	6	70+30
BED103	पाठ्यक्रम में भाषा	3	35+15
BED104	शिक्षा, दर्शन और समाज	3	35+15
BED105	अनुशासन एवं विषयों का अवबोध	3	35+15
BED106	मूलपाठों का पठन एवं मीमांसा	3	50
BED107	प्रायोगिक (मनोविज्ञान)	2	50
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र २			
BED201	शिक्षण और अधिगम	6	70+30
BED202	ज्ञान और पाठ्यक्रम	3	35+15
BED203	अधिगम के लिए आकलन	6	70+30
BED204	विद्यालय विषय के लिए शिक्षणशास्त्र-हिन्दी,संस्कृत,अंग्रेजी,सामाजिक विज्ञान,गणित	6	50+50
BED205	शिक्षा में नाटक और कला	3	50
BED206	प्रायोगिक	2	50
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ३			
BED301	विद्यालय विषय के लिए शिक्षणशास्त्र-हिन्दी,संस्कृत,अंग्रेजी,सामाजिक विज्ञान,गणित	6	50+50
BED302	प्रायोगिक-पूर्व तैयारी के एक शिक्षक के रूप में काम करने के लिए (२ सप्ताह शिक्षण)		50
BED303	प्रायोगिक-१२ सप्ताह की स्कूल इण्टर्नशिप		200
सत्र ४			
BED401	जेंडर, विद्यालय और समाज	3	50
BED402	स्वास्थ्य, योग और शारीरिक शिक्षा	3	50
BED403	समावेशी विद्यालय की रचना	3	50
BED404	वैकल्पिक कोर्स(कोई एक) निर्देशन और परामर्श/व्यावसायिक,कार्य शिक्षण	3	50
BED405	आई० सी० टी० का आलोचनात्मक बोध	3	50
BED406	पर्यावरण शिक्षा	3	50
BED407	प्रायोगिक(योग)	2	50

* यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सी. बी. सी. एस्. प्रतिरूप के अनुसार संशोधित किया जायेगा।

बैचलर ऑफ एजुकेशन

अवधि
२ वर्ष

उद्देश्य
इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विश्वसनीय, सक्षम एवं सत्यनिष्ठ शिक्षक तैयार करना है, जिनका दृष्टिकोण वैज्ञानिक हो एवं जिन्हे आवश्यक तकनीकी ज्ञान हो । इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षकों में सामाजिक उत्तरदायित्व एवं आध्यात्मिक मूल्यों का विकास करने का भी प्रयास है, जिससे शिक्षक अपने छात्रों को नैतिक मूल्य पर आधृत शिक्षा दे सकें।

जीविकोपार्जन के अवसर
- प्राथमिक और मध्य स्तर पर शिक्षक
- शैक्षिक प्रशासन एवं परामर्श
- काउंसलर और सामग्री लेखक
- चाइल्ड केयर डायरेक्टर

एम्.ए. – एप्लाइड एजूकेशन [M04]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
MAE101	शिक्षा के दार्शनिक और सामाजिक आधार	4	70+30
MAE102	मानव विकास और योग	4	70+30
MAE103	भारत में शिक्षा व्यवस्था का विकास	4	70+30
MAE104	शैक्षिक भ्रमण	2	70+30
MAE105	शिक्षा मनोविज्ञान और योग	2	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र २			
MAE201	उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान	4	70+30
MAE202	शिक्षा में शोध विधियाँ	4	70+30
MAE203	शिक्षा अनुसन्धान में सांख्यिकी	4	70+30
MAE204	शैक्षिक परिक्षण	2	70+30
MAE205	शिक्षा में शोध विधियाँ	2	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ३			
MAE301	यौगिक शिक्षा और स्व प्रबन्धन	4	70+30
MAE302	शिक्षा निर्देशन एवं परामर्श	4	70+30
MAE303	समावेशी शिक्षा और मानवाधिकार	4	70+30
MAE304	अनौपचारिक शिक्षा	4	70+30
MAE305	शैक्षिक तकनीकि	4	70+30
MAE306	दूरस्थ शिक्षा	4	70+30
MAE307	यौगिक शिक्षा और स्व प्रबन्धन	2	70+30
MAE308	परियोजना कार्य :	4	70+30
	सामाजिक परिवीक्षा	2	100
सत्र ४			
MAE401	शिक्षा के भारतीय विचारक	4	70+30
MAE402	शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन	4	70+30
MAE403	शैक्षिक प्रशासन और प्रबन्धन	4	70+30
MAE404	पाठ्यक्रम शिक्षा	4	70+30
MAE405	विशिष्ट शिक्षा	4	70+30
MAE406	तुलनात्मक शिक्षा	4	70+30
MAE407	शैक्षिक प्रयोग	2	100
MAE408	परियोजना कार्य :	4	100
	हस्तकरघा प्रोद्यौगिकी/हार्डवेयर तकनीकि/प्राणिक हीलिंग/एक्यूप्रेशर, अन्य	2	100

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

अवधि
2 वर्ष

उद्देश्य
इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के मूल स्वरूप को समझते हुए उसे संस्कृति से जोड़ना है। इस पाठ्यक्रम में केवल ज्ञानात्मक उद्देश्य की पूर्ति ही नहीं है, अपितु अपेक्षित व्यवहार-परिवर्तन और बहुविध कौशलों के विकास के प्रयास हैं। पाठ्यक्रम की संरचना कुछ इस ढंग से की गई है कि इससे समाज को श्रेष्ठ नागरिक उपलब्ध कराए जा सकें।

जीविकोपार्जन के अवसर
- शिक्षा अधिकारी (एनसीईआरटी, एनसीटीई, एनयूईपीए)
- शैक्षिक सलाहकार
- शिक्षा विशेषज्ञ (मीडिया)

बी.एस्-सी. ~ पर्यावरण विज्ञान [B11]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
BEV101	Fundamentals of Ecology	4	70+30
BEV102	Ecosystem & Ecological Succession	4	70+30
BEV103	Core 1: Practical	2	70+30
BEV104	Core 2: Practical	2	70+30
Generic Elective	From the University Options	4	70+30
Ability Enhancement	Environmental Science/ Communication	4	70+30
सत्र २			
BEV201	Natural Resources & Conservation	4	70+30
BEV202	Wildlife Biology	4	70+30
BEV203	Core 3: Practical	2	70+30
BEV204	Core 4: Practical	2	70+30
Generic Elective	From the University Options	4	70+30
Ability Enhancement	Environmental Science/ Communication	4	70+30
ST/FW	Summer Training - I	2	70+30
सत्र ३			
BEV301	Environmental Pollution And Control	4	70+30
BEV302	Environmental Microbiology & Biotechnology	4	70+30
BEV303	General Environmental Aspects	4	70+30
BEV304	Core 5 : Practical	2	70+30
BBA305	Core 6 : Practical	2	70+30
Generic Elective	From the University Options	4	70+30
Skill Enhancement		2	70+30
सत्र ४			
BEV401	Environmental Education, Economics & Remote Sensing	4	70+30
BEV402	Tourism & Environment Management	4	70+30
BEV403	Biodiversity Management	4	70+30
BEV404	Core 7: Practical	2	70+30
BEV405	Core 8: Practical	2	70+30
Generic Elective	From the University Options	4	70+30
Skill Enhancement		2	70+30
ST/FW	Summer Training - I	2	70+30
सत्र ५			
BEV501	Industrial Health Safety And Environment	6	70+30
BEV502	Disaster Management	6	70+30
BEV503	Core 9: Practical	2	70+30
BEV504	Core 10: Practical	2	70+30
DSE 1	Discipline Specific Elective 1	4	70+30
DSE 2	Discipline Specific Elective 2	4	70+30
सत्र ६			
BEV601	Environmental Toxicology & Laws	4	70+30
BEV602	Environment Management	4	70+30
BEV405	Core 11: Practical	2	70+30
DSE 3	Discipline Specific Elective 3	4	70+30
DSE 4	Discipline Specific Elective 4	4	70+30
Dissertation		8	200
Awareness Campaign		8	-

स्नातक पाठ्यक्रम

अवधि
3 वर्ष

उद्देश्य
इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को स्थानीय, क्षेत्रीय तथा वैश्विक स्तर की पर्यावरणीय समस्याओं और उनके निदान से अवगत कराना है। इस पाठ्यक्रम के अर्न्तगत विद्यार्थियों को पर्यावरणीय घटकों के वैज्ञानिक विश्लेषण हेतु प्रशिक्षित किया जाएगा। विद्यार्थियों को पर्यावरण प्रभाव के आकलन और प्रबन्धन तन्त्र की विस्तृत जानकारी भी दी जाएगी। इन जानकारियों के द्वारा विद्यार्थी शिक्षा, शोध, औद्योगिक प्रबन्धन तथा परामर्श क्षेत्र में अपनी विशेष भूमिका निभा सकेंगे।

जीविकोपार्जन के अवसर
- पर्यावरण अधिकारी
- सी.पी.सी.बी. (केन्द्रीय प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड)
- एस.पी.सी.बी. (राज्य प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड)
- एम्.ओ.ई.एफ्.सी.सी. (वन एवं पर्यावरण मन्त्रालय जलवायु परिवर्तन)

एम्.एस्-सी. - पर्यावरण विज्ञान [M56]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
EVS101	Ecology & Environment	4	70+30
EVS102	Taxonomy & Systematic Biodiversity	4	70+30
EVS103	Natural Resource and Management	4	70+30
EVS104	* To be selected from the list below	4	70+30
EVS105	Lab Course - I	2	70+30
EVS106	Lab Course - II	2	70+30
	English Language/Sanskrit Language/Environmental Science	2	100
	Life Management	2	100
सत्र २			
EVS201	Biodiversity Management	4	70+30
EVS202	Environmental Chemistry	4	70+30
EVS203	Environmental Microbiology & Statistical Analysis	4	70+30
EVS204	* To be selected from the list below	4	70+30
EVS205	Lab Course - I	2	70+30
EVS206	Lab Course - II	2	70+30
	English Language/Sanskrit Language/Environmental Science	2	100
	Life Management	2	100
सत्र ३			
EVS302	Environmental Monitoring	4	70+30
EVS303	Environmental Impact Assessment and Disaster Management	4	70+30
EVS304	Lab Course - I	2	70+30
EVS305	Lab Course - II	2	70+30
EVS306	Environment and Tourism/Industrial Hygiene, Occupational Health & Safety	4	70+30
	English Language/Sanskrit Language/Environmental Science	2	100
	Field Work	2	100
सत्र ४			
EVS401	Environmental Biotechnology	4	70+30
EVS402	Dissertation	8	400
EVS403	Lab Course	2	70+30
EVS404	Environmental Geosciences / Environmental Education, Economics & Laws	4	70+30
EVS405	Awareness Campaign	2	

* Generic Electives
Environment & Health/Environmental Management/Environmental Pollution/General Environmental Issues

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

अवधि
2 वर्ष

उद्देश्य
इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को स्थानीय, क्षेत्रीय तथा वैश्विक स्तर की पर्यावरणीय समस्याओं और उनके निदान से अवगत कराना है। इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थियों को पर्यावरणीय घटकों के वैज्ञानिक विश्लेषण हेतु प्रशिक्षित किया जाएगा। विद्यार्थियों को पर्यावरण प्रभाव के आकलन और प्रबन्धन तंत्र की विस्तृत जानकारी भी दी जाएगी। इन जानकारियों के द्वारा विद्यार्थी शिक्षा, शोध, औद्योगिक प्रबन्धन तथा परामर्श क्षेत्र में अपनी विशेष भूमिका निभा सकेंगे।

जीविकोपार्जनके अवसर
- पर्यावरण अधिकारी
- सी.पी.सी.बी.(केन्द्रीय प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड)
- एस्.पी.सी.बी.(राज्य प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड)
- एम्.ओ.ई.एफ्.सी.सी.(वन एवं पर्यावरण मन्त्रालय जलवायु परिवर्तन)

बी.बी.ए. ~ टूरिज्म एण्ड ट्रैवल मैनेजमेन्ट [B07]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
BBA 101	पर्यटन के मूल तत्त्व	4	70+30
BBA 102	भारतीय पर्यटन उत्पाद - I (प्राकृतिक)	4	70+30
BBA 103	पर्यटन के उत्पाद - II (सांस्कृतिक)	4	70+30
BBA 104	प्रबन्धन के सिद्धान्त एवं अवधारणाएँ	4	70+30
BBA 105	कम्प्यूटर एप्लीकेशन	4	70+30
BBA 106	आध्यात्मिक पर्यटन	4	70+30
BBA P01	पर्यटन प्रबन्धन (क्षेत्र अध्ययन)	2	100
	सामान्य एच्छिक	4	70+30
सत्र २			
BBA 201	ट्रेवल ऐजेंसी एवं टूर सञ्चालन	4	70+30
BBA 202	पर्यटन संगठन	4	70+30
BBA 203	पर्यटन अर्थशास्त्र	4	70+30
BBA 204	व्यावसायिक सञ्चार	4	70+30
BBA 205	गन्तव्य मानचित्रण – भारत एवं विश्व	4	70+30
BBA 206	स्वास्थ्य पर्यटन	4	70+30
BBA P02	पर्यटन प्रबन्धन (प्रायोगिक पक्ष)	2	100
	सामान्य एच्छिक	4	70+30
सत्र ३			
BBA 301	टूर गाइडिंग एवं एस्कार्ट कौशल	4	70+30
BBA 302	आतिथ्य एवं पर्यटन में लेखाविधि	4	70+30
BBA 303	होटल एवं रिसोर्ट प्रबन्धन	4	70+30
BBA 304	पर्यटन में उपभोक्ता व्यवहार	4	70+30
BBA 305	पर्यटन प्रबन्धन सञ्चार तन्त्र	4	70+30
BBA 306	धारणीय पर्यटन विकास	4	70+30
BBA P03	पर्यटन प्रबन्धन (प्रायोगिक पक्ष)	2	100
सत्र ४			
BBA 401	साहसिक खेल एवं पर्यटन	4	70+30
BBA 402	उद्यमिता एवं लघु उद्योग इकाईयाँ	4	70+30
BBA 403	विमानन प्रबन्धन के आधार	4	70+30
BBA 404	पर्यटन नीति शास्त्र एवं विधियाँ	4	70+30
BBA 405	पर्यटन उद्योग में प्रचार एवं जनसम्पर्क	4	70+30
BBA 406	सास्कृतिक एवं विरासत पर्यटन	4	70+30
BBA P04	पर्यटन प्रबन्धन (प्रायोगिक पक्ष)	2	100
सत्र ५			
BBA 501	पर्यटन के समसामयिक मुद्दे एवं रुझान	4	70+30
BBA 502	आतिथ्य एवं पर्यटन हेतु विपणन	4	70+30
BBA 503	पर्यटन लेखन एवं फोटोग्राफी	4	70+30
BBA 504	मानव संसाधन प्रबन्धन	4	70+30
BBA 505	तीर्थयात्रा प्रबन्ध – गायत्री परिवार की अर्न्तदृष्टि	4	70+30
BBA 506	ग्रामीण पर्यटन	4	70+30
BBA P05	पर्यटन प्रबन्धन (प्रायोगिक पक्ष)	2	100
सत्र ६			
BBA 601	एयर फेयर एवं टिकटिंग	4	70+30
BBA 602	आइटनरी बनाना एवं टुर पैकेज़ प्रबन्धन	4	70+30
BBA 603	पर्यटन सञ्चालन क्षेत्र में ६० दिवसीय प्रशिक्षण	4	70+30
BBA P06	प्रशिक्षण रिपोर्ट एवं वायवा वाइस	2	100

स्नातक पाठ्यक्रम

अवधि
3 वर्ष

उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यात्रा एवं पर्यटन उद्योग हेतु आवश्यक ज्ञान, कौशल, मूल्य एवं सत्यनिष्ठा संपन्न युवा तैयार करना है। जो भविष्य में यात्रा एवं पर्यटन उद्योग की महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर सके।

जीविकोपार्जन के अवसर

- हॉस्पिटालिटी उद्योग
- किले/रिसोर्ट
- टूर ऑपरेटर
- इमिग्रेशन एण्ड कस्टम सर्विस
- टिकिटिंग एजेंसीज़
- एयरलाइन्स
- फूड इण्डस्ट्रीज़
- ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशंस
- ट्रांसपोर्ट एण्ड कार्गो कम्पनी
- सरकारी पर्यटन विभाग
- होटल एण्ड सम्बद्ध सर्विस इंडस्ट्रीज़
- ट्रेवल एजेंसीज़

एम्.बी.ए. – टूरिज्म एण्ड ट्रैवल मैनेजमेण्ट [M07]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
TTM101	पर्यटन की अवधारणा और सिद्धान्त	4	70+30
TTM102	उत्तराखण्ड में पर्यटन	4	70+30
TTM103	पर्यटन के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी	4	70+30
TTM104	प्रबन्धन अवधारणायें और संगठनात्मक व्यवहार	4	70+30
TTM105	प्रबन्धक के लिए लेखांकन	4	70+30
TTM106	केस अध्ययन और प्रस्तुति - प्रयोगात्मक 1	2	70+30
TTM107	क्षेत्र की यात्रा और यात्रा प्रतिवेदन – प्रयोगात्मक 1	2	70+30
सामान्य ऐच्छिक विषय	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार		
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र २			
TTM201	ट्रेवल एजेन्सी एवं टूर सञ्चालन	4	70+30
TTM202	भारत के पर्यटन संसाधन	4	70+30
TTM203	अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन और भूगोल	4	70+30
TTM204	पर्यटन विपणन	4	70+30
TTM205	स्वास्थ्य और आध्यात्मिक पर्यटन	4	70+30
TTM206	केस अध्ययन और प्रस्तुति प्रयोगात्मक – 2	2	70+30
TTM207	योग एवं कल्याण पर्यटन प्रयोगात्मक – 2	2	70+30
सामान्य ऐच्छिक विषय	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार		
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ३			
TTM301	अनुसन्धान विधियाँ	4	70+30
TTM302	एयर टिकटिंग और कार्गो ऑपरेशंस	4	70+30
TTM303	पर्यटन नीतियाँ एवं योजनाएँ	4	70+30
TTM304	मानव संसाधन प्रबन्धन	4	70+30
TTM305	उद्यमिता विकास एवं लघु उद्यम	4	70+30
TTM306	आइटनरी निर्माण प्रयोगात्मक	2	70+30
TTM307	क्षेत्र की यात्रा और यात्रा रिपोर्ट प्रयोगात्मक – 2	2	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ४			
TTM401	टूर पैकेज प्रबन्धन	4	70+30
TTM402	आतिथ्य प्रबन्धन	4	70+30
TTM403	इवेंट मैनेजमेंट एण्ड एम्. आई. सी. ई.	4	70+30
TTM404	लघुशोध प्रबन्ध	2	70+30
TTM405	औद्योगिक प्रशिक्षण	4	70+30
TTM406	सामाजिक परिवीक्षा	2	100

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

अवधि
2 वर्ष

उद्देश्य
इस स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य व्यावसायिक क्षमता का विकास और पर्यटन का विस्तृत ज्ञान प्रदान करना है। इस पाठ्यक्रम की संरचना वैश्विक सन्दर्भ, शिक्षण विधि और तकनीकी आयामों पर आधृत है। व्यावहारिक उपयोगिता और औद्योगिक अन्त:क्रिया पाठ्यक्रम के ही भाग हैं। जो समसामयिक पर्यटन के विकास में सहायक हैं। विचार-विमर्श का विस्तृत रूप से उपयोग, विद्यार्थियों के निर्णय लेने की क्षमता, विश्लेषणात्मक प्रबन्धन को लागू करना और नेतृत्व के गुणों को उच्चस्तरीय बनाना, इस पाठ्यक्रम की मौलिक विशेषता है।

जीविकोपार्जन के अवसर
- टूर ऑपरेटर
- ट्रैवल मैनेजर
- परिवहन प्रबन्ध

एम्.ए. – भारतीय इतिहास एवं संस्कृति [M06]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
IHC101	इतिहास लेखन : अवधारणाएँ, विधियाँ एवं उपकरण	4	70+30
IHC102	बींसवीं शताब्दी का विश्व	4	70+30
IHC103	प्राचीन भारत का राजनीतिक इतिहास (चतुर्थ शताब्दी ई.पू. से 647 ई. तक)	4	70+30
IHC104	ऐतिहासिक स्थल, संग्रहालय एवं अभिलेखागारों का भ्रमण	4	70+30
IHC105	प्राचीन भारत की झलक	4	70+30
IHC106	प्राचीन भारत में समाज, संस्कृति एवं धर्म		
IHC107	मध्यकालीन भारत में भारतीय इस्लामिक संस्कृति		
IHC108	आधुनिक भारत में औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था		
सामान्य ऐच्छिक विषय	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार		
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र २			
IHC201	प्रारम्भिक भारतीय कला एवं स्थापत्य (600 ई. तक)	4	70+30
IHC202	प्राचीन भारतीय समाज, संस्कृति एवं धर्म	4	70+30
IHC203	मध्यकालीन भारतीय राजनीतिक इतिहास (1200 – 1526 ई.)	4	70+30
IHC204	मध्यकालीन भारतीय राजनीतिक इतिहास (1526 – 1740 ई.)	4	70+30
IHC205	भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम का इतिहास (1857 – 1947)	4	70+30
IHC206	19वीं और 20वीं शताब्दी के सामाजिक और धार्मिक सुधारवादी आन्दोलन		
IHC207	आधुनिक यूरोपीय इतिहास की झलक (1453 – 1945)		
IHC208	पर्यटन में ऐतिहासिक अनुप्रयोग		
सामान्य ऐच्छिक विषय	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार		
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ३			
IHC301	भारतीय राष्ट्रवाद 1916 तक	4	70+30
IHC302	भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन 1916 से 1947 तक	4	70+30
IHC303	मध्यकालीन भारतीय समाज, संस्कृति व धर्म	4	70+30
IHC304	प्राचीन भारतीय धर्म व दर्शन		
IHC306	आधुनिक भारत में महिलाएँ	4	70+30
IHC307	आधुनिक यूरोप का इतिहास-1(1780 से 1939)		
IHC308	भ्रमण	6	100
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ४			
IHC401	स्वतन्त्रता के पूर्व भारत	4	70+30
IHC402	अनुसन्धान शोध विधियाँ तथा ऐतिहासिक अन्वेषण	4	70+30
IHC403	औपनिवेशिक भारत में सामाजिक, सांस्कृतिक व बौद्धिक विकास	4	70+30
IHC404	प्राचीन भारतीय शिलालेख/अभिलेख		
IHC405	प्राचीन भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा चिकित्सा पद्धति	4	70+30
IHC406	आधुनिक यूरोप का इतिहास-2(1780 से 1939)		
IHC407	लघु शोध प्रबन्ध	6	100
IHC408	भ्रमण	2	50
	जीवन प्रबन्धन	2	100

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

अवधि
2 वर्ष

उद्देश्य
इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति के मूल स्तम्भों, भारतीय सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक पहलुओं, प्राचीन भारतीय संस्कृति के वैश्विक प्रभुत्व, वर्तमान सांस्कृतिक संकट तथा उसके निवारण में भारतीय संस्कृति की भूमिका से अवगत कराना है; ताकि आने वाली पीढ़ियाँ सफलतापूर्वक जीवन उद्देश्यों को अपनाकर अपने चरित्र निर्माण, विचारों के परिमार्जन, आत्मविश्वास के विकास के माध्यम से राष्ट्र के प्रति समर्पित हो सकें।

यह पाठ्यक्रम प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप होने के कारण एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी है जो कि विद्यार्थियों को शैक्षणिक, सांस्कृतिक तथा पर्यटन के उभरते क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करेगा।

जीविकोपार्जन के अवसर
- पुरातत्व सहायक
- क्यूरेटर
- न्यूमिज़माटिस्ट
- टूर गाइड

एम्. ए. - संस्कृतम् [M09]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
प्रथमं सत्रम्			
MSN101	वेद:	5	70+30
MSN102	दर्शनम्	5	70+30
MSN103	व्याकरणम्	4	70+30
MSN104	मौखिकपरीक्षा	1	100
MSN105	ट्यूटोरियल	1	100
MSN106	प्रत्यभिज्ञाहृदयम्/पञ्चतन्त्रम्	4	70+30
सामान्य ऐच्छिक विषय	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार		
	जीवनप्रबन्धनम्	2	100
द्वितीयं सत्रम्			
MSN201	उपनिषद्	5	70+30
MSN202	पुराणम्	5	70+30
MSN203	काव्यशास्त्रम् (काव्यप्रकाश: 1-5 उल्लास:)	5	70+30
MSN204	मौखिकपरीक्षा	1	100
MSN205	ट्यूटोरियल	1	100
MSN206	पाणिनीयशिक्षा/शुकनासोपदेश:	4	70+30
सामान्य ऐच्छिक विषय	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार		
	जीवनप्रबन्धनम्	2	100
तृतीयं सत्रम्			
MSN301	साहित्यम्-1	4	70+30
MSN302	नाट्यग्रन्थ:	4	70+30
MSN303	काव्यम् / रूपकम् (ड्रामा)	4	70+30
MSN304	रूपककाव्यम् / लघुकथा (फिक्सन)	4	70+30
MSN305	मौखिकपरीक्षा	2	100
MSN306	लघुशोधप्रबन्ध:	4	100
	जीवनप्रबन्धनम्	2	100
चतुर्थं सत्रम्			
MSN401	काव्यशास्त्रम् (काव्यप्रकाश: 6-9 उल्लास:)	4	70+30
MSN402	आलोचनासाहित्यम्	4	70+30
MSN403	रूपकम् / साहित्यदर्पणम्	4	70+30
MSN404	दर्शनम् / संस्कृतसाहित्य-इतिहास:	4	70+30
MSN405	मौखिक परीक्षा	2	100
MSN406	लघुशोधप्रबन्ध:	4	100
	जीवनप्रबन्धनम्	2	100

* अयं पाठ्यक्रमो विश्वविद्यालयानुदानायोगस्य नियममाश्रित्य संशोधनीयो भविष्यति।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

समयावधि:
वर्षद्वयम्

उद्देश्यम्
अस्य पाठ्यक्रमस्य उद्देश्यं छात्रेभ्य: संस्कृतवाङ्मयस्य परिचयदानमस्ति येन छात्रा: संस्कृतवाङ्मये निहितानां धर्म-संस्कृति-साहित्य-वेद-दर्शन-पुराणादीनां ज्ञानसम्वर्धनं कुर्यु:। अनेन अस्मिन् मर्यादाविहीने भ्रष्टाचारकलङ्किते उच्छृंखलतापूर्णे निरङ्कुशे समये छात्रा: स्वं-स्वं चरित्रं सम्मार्ज्य उत्कृष्टा महामानवा: सर्वाङ्गपूर्णाश्च मनुष्या: भवेयु:।

अस्य पाठ्यक्रमस्य इयमपि उपयोगिता अस्ति यत् छात्रा: भारतीयराष्ट्रियप्रदेशीयप्रतियोगितापरीक्षासु सफलीभूय जीविकां प्राप्नुयु:।

जीविकोपार्जनस्य अवसरा:
- भारतीयसेनासु धार्मिकशिक्षकपदम् (जे.सी.ओ.-जूनियर प्रमाणित अधिकारी)
- पौरोहित्यम् कर्मकाण्डम्
- लेखकत्वम्
- प्रतिवेदकत्वम् (रिपोर्टर)
- अनुवादकत्वम्
- कथावाचकत्वम्
- योगप्रशिक्षणम्

एम्. ए. – हिन्दी [M10]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
MHN101	हिन्दी साहित्य का इतिहास:आदिकाल व मध्यकाल	4	70+30
MHN102	कथेतर साहित्य–सभी विधाएँ	4	70+30
MHN103	आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य	4	70+30
MHN104	प्रायोगिक	2	70+30
MHN105	प्रायोगिक	2	70+30
MHN106	हिन्दी पत्रकारिता/हिन्दी कम्प्यूटिंग	4	70+30
सामान्य ऐच्छिक विषय	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार		
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र २			
MHN201	हिन्दी साहित्य का इतिहास:आधुनिक काल	4	70+30
MHN202	नाटक एवं रङ्गमञ्च	4	70+30
MHN203	छायावाद पर्यन्त हिन्दी काव्य	4	70+30
MHN204	प्रायोगिक	2	70+30
MHN205	प्रायोगिक	2	70+30
MHN206	अनुवाद/व्यावहारिक (प्रयोजन मूलक) हिन्दी	4	70+30
सामान्य ऐच्छिक विषय	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार		
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ३			
MHN301	भारतीय एवं पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र	4	70+30
MHN302	लोक साहित्य एव आञ्चलिक बोली परिचय	4	70+30
MHN303	भाषा विज्ञान व हिन्दी भाषा	4	70+30
MHN304	कम्प्यूटर / इण्टरनेट हिन्दी	4	70+30
MHN305	प्रायोगिक	2	70+30
MHN306	लघु शोध प्रबन्ध/प्रोजेक्ट	4	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ४			
MHN401	हिन्दी आलोचना	4	70+30
MHN402	छायावादोत्तर काव्य	4	70+30
MHN403	कथा साहित्य–कहानी एवं उपन्यास	4	70+30
MHN404	कोश निर्माण/दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन	4	70+30
MHN405	प्रायोगिक	2	70+30
MHN406	लघु शोध प्रबन्ध/प्रोजेक्ट	4	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

अवधि
2 वर्ष

उद्देश्य
प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा का व्याकरणिक, साहित्यिक एवं प्रयोजनमूलक ज्ञान कराना है। जिससे विद्यार्थियों में भाषा का सूक्ष्मतम ज्ञान, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक विरासत एवं अत्याधुनिक संसाधनों के प्रयोग, पत्रकारिता में प्रयुक्त विविध लेखन विधाओं का ज्ञान हो सकेगा, इसके अलावा भाषा, साहित्य एवं प्रयोजनमूलक स्वरूप के मूलभूत मानकों को भी स्थापित करने में मदद मिलेगी। इससे विद्यार्थियों को रोजगार के अनेक अवसर भी प्राप्त हो सकेंगे। इस पाठ्यक्रम में ज्ञानात्मक लक्ष्य की पूर्ति के साथ–साथ सृजनात्मक लेखन क्षमता, हिन्दी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान एवं विविध विधाओं में अभिव्यक्ति की दक्षता विकसित की जा सकेगी। समकालीन उपयोगिता एवं वैश्विक चुनौतियों के समक्ष रोजगारपरक अवसर प्राप्त करने में यह पाठ्यक्रम सहयोगी सिद्ध होगा।।

जीविकोपार्जन के अवसर
- लेखक
- रिपोर्टर
- अनुवादक

प्रमाण-पत्र - धर्मविज्ञान [C03]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
CTH101	धर्म-परिचय	4	70+30
CTH102	धर्म-व्यवहार	4	70+30
CTH103	योग-आयुर्वेद एवं वैकल्पिक चिकित्सा	4	70+30
CTH104	प्रायोगिक(योग-आयुर्वेद एवं वैकल्पिक चिकित्सा)	4	70+30
CTH105	प्रायोगिक(धर्म - प्रवचन)	4	70+30
CTH106	प्रायोगिक(पौरोहित्य-कर्मकाण्ड)	4	70+30
CTH107	ज्योतिष के आधारभूत तत्त्व		
	अंग्रेजी भाषा/संस्कृत भाषा/पर्यावरण विज्ञान	2	
	जीवन प्रबन्धन	2	

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

अवधि
6 माह

उद्देश्य
प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य धर्म के व्यावहारिक, प्रगतिशील एवं वैज्ञानिक स्वरूप को जनमानस के बीच प्रतिष्ठित करना तथा धर्म भावनाओं को प्रभावित कर जाग्रत करना एवं उनको विकसित करना है। इसके प्रयास से ऊर्जावान् धर्म-प्रचारकों, धर्म-शिक्षकों एवं उच्चस्तरीय शोध-वैज्ञानिकों की नयी पीढ़ी निश्चित रूप से तैयार होगी, जो सर्वधर्म समभाव की धार्मिक सहिष्णुता एवं सद्भाव के द्वारा समाज, राष्ट्र एवं समस्त विश्व को अनुप्राणित करेगी।

जीविकोपार्जन के अवसर
- भारतीय सेना में धार्मिक शिक्षक (जे.सी.ओ.-जूनियर
- प्रमाणित अधिकारी)
- मन्दिर प्रबन्धक
- यज्ञ आचार्य
- जीवन प्रबन्धन प्रशिक्षक
- योग प्रशिक्षक

स्नातकोत्तर डिप्लोमा – धर्मविज्ञान और मनोवैज्ञानिक परामर्श [P04]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
PTH101	धर्म और दर्शन	4	70+30
PTH102	मनोविज्ञान और परामर्श के आधारभूत तत्त्व	4	70+30
PTH103	प्रबन्धन के आधारभूत तत्त्व	4	70+30
PTH104	योग थेरेपी और स्वास्थ्य प्रबन्धन	4	70+30
PTH105	योग और वैकल्पिक चिकित्सा	2	70+30
PTH106	पौरोहित्य कर्मकाण्ड और संगीत	2	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र २			
PTH201	धर्म और दर्शन	4	70+30
PTH202	प्रबन्धकीय कौशल	4	70+30
PTH203	परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य प्रबन्धन	4	70+30
PTH204	अंग्रेजी सञ्चार कौशल	4	70+30
PTH205	योग और वैकल्पिक चिकित्सा	2	70+30
PTH206	पौरोहित्य कर्मकाण्ड और विशिष्ठ संगीत/ज्योतिष के आधारभूत तत्त्व	2	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

अवधि
1 वर्ष

उद्देश्य
प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य धर्म के व्यावहारिक, प्रगतिशील एवं वैज्ञानिक स्वरूप को जनमानस के बीच प्रतिष्ठित करना तथा धर्म भावनाओं को प्रभावित कर जाग्रत करना एवं उनको विकसित करना है। इसके प्रयास से ऊर्जावान धर्म-प्रचारकों, धर्म-शिक्षकों एवं उच्चस्तरीय शोध-वैज्ञानिकों की नई पीढ़ी निश्चित रूप से तैयार होगी, जो सर्वधर्म समभाव की धार्मिक सहिष्णुता, मनोवैज्ञानिक परामर्श एवं सद्भाव के द्वारा समाज, राष्ट्र एवं समस्त विश्व को अनुप्राणित करेगी।

जीविकोपार्जन के अवसर
- भारतीय सेना में धार्मिक शिक्षक (जे.सी.ओ.-जूनियर
- प्रमाणित अधिकारी)
- मन्दिर प्रबन्धक
- यज्ञ आचार्य
- जीवन प्रबन्धन प्रशिक्षक
- योग प्रशिक्षक
- परामर्शदाता

एम्.ए. - संगीत(गायन) [M11]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
MUS101	भारतीय संगीत का इतिहास(वैदिक काल से 13वीं शताब्दी)-1	4	70+30
MUS102	संगीत का सैद्धान्तिक पक्ष-1	4	70+30
MUS103	सामान्य एवं क्रियात्मक संगीत-1	4	70+30
MUS104	प्रायोगिक- मञ्च प्रदर्शन-1	2	70+30
MUS105	मौखिक परीक्षा-1	2	70+30
MUS106	स्वरलिपि पर आधारित प्रज्ञा संगीत	4	70+30
सामान्य ऐच्छिक विषय	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र २			
MUS201	भारतीय संगीत का इतिहास(वैदिक काल से 13वीं शताब्दी)- 2	4	70+30
MUS202	संगीत का सैद्धान्तिक पक्ष-2	4	70+30
MUS203	सामान्य एवं क्रियात्मक संगीत-2	4	70+30
MUS204	प्रायोगिक- मञ्च प्रदर्शन- 2	2	70+30
MUS205	मौखिक परीक्षा- 2	2	70+30
MUS206	रागों पर आधृत संगीत का क्रियात्मक अध्ययन	4	70+30
सामान्य ऐच्छिक विषय	विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ३			
MUS301	भारतीय संगीत का इतिहास(13वीं शताब्दी से वर्तमान तक)-1	4	70+30
MUS302	हिन्दुस्तानी संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र	4	70+30
MUS303	सामान्य एवं क्रियात्मक संगीत	4	70+30
MUS304	रागों पर आधृत संगीत का क्रियात्मक अध्ययन	4	70+30
MUS305	प्रायोगिक - मञ्च प्रदर्शन- 3	4	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ४			
MUS401	भारतीय संगीत का इतिहास(13 वीं शताब्दी से वर्तमान तक)-2	4	70+30
MUS402	निबन्ध, सांगीतिक रचना एवं राग विवरण	4	70+30
MUS403	संगीत का सैद्धान्तिक पक्ष	4	70+30
MUS404	शास्त्रीय संगीत पर आधृत गायन शैलियों का अध्ययन	4	70+30
MUS405	प्रायोगिक- मञ्च प्रदर्शन- 4	2	70+30
	सामाजिक परिवीक्षा	2	100

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

अवधि
2 वर्ष

उद्देश्य
संगीत के प्राचीन एवं रहस्यमय ज्ञान को यथा रूप प्रदान करना, संगीत के माध्यम से स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन एवं सभ्य समाज के विकास के लिए जागरूकता पैदा करना, संगीत द्वारा लोक रंजन से लोक शिक्षण का कार्य। संगीत में प्रज्ञायुग संगीत द्वारा संगीत के साधकों, कलाकारों को परिष्कृत गीत संगीत द्वारा एक नयी दिशा देना, विभिन्न संगीत परियोजनाओं में सहयोग के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना। संगीत द्वारा आजीविका की पूर्ति हेतु नये-नये कार्यों में अवसर प्रदान कराना।

जीविकोपार्जन के अवसर
- स्वरोजगार
- गायक
- विद्यालयों में संगीत शिक्षक

एम्.ए. [M01] /एम्.एस्.-सी. [M51] – नैदानिक मनोविज्ञान

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
PSA101/PSS101	उच्चतर सामान्य मनोविज्ञान	4	70+30
PSA102/PSS102	तन्त्रिका मनोविज्ञान	4	70+30
PSA103/PSS103	शोध प्रविधि	4	70+30
PSA104/PSS104	सामान्य मनोविज्ञान मूल्याङ्कन	2	70+30
PSA105/PSS105	तन्त्रिका मनोवैज्ञानिक मूल्याङ्कन	2	70+30
PSA106/PSS106	योग	3	70+30
योग्यता संवर्धन :	अंग्रेजी भाषा/संस्कृत भाषा/पर्यावरण विज्ञान	2	100
कौशल संवर्धन :	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र २			
PSA201/PSS201	मनोविकृति विज्ञान	4	70+30
PSA202/PSS202	व्यक्तित्व के सिद्धान्त	4	70+30
PSA203/PSS203	मनोवैज्ञानिक सांख्यिकी	4	70+30
PSA204/PSS204	मनोविकृतिक मूल्याङ्कन	2	70+30
PSA205/PSS205	व्यक्तित्व मूल्याङ्कन	2	70+30
PSA206/PSS206	योग	3	70+30
योग्यता संवर्धन :	अंग्रेजी भाषा/संस्कृत भाषा/पर्यावरण विज्ञान	2	100
कौशल संवर्धन :	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ३			
PSA301/PSS301	नैदानिक मूल्याङ्कन और निदान	4	70+30
PSA302/PSS302	नैदानिक परीक्षण	4	70+30
PSA303/PSS303	लघु शोध प्रबन्धन	4	70+30
PSA304/PSS304	नैदानिक मूल्याङ्कन और निदान	2	70+30
PSA305/PSS305	योग	2	70+30
PSA306/PSS306	आयुर्वेदिक मनोविज्ञान/भारतीय मनोविज्ञान	4	70+30
PSA307/PSS307	परामर्शन मनोविज्ञान/आध्यात्मिक मनोविज्ञान	4	70+30
कौशल संवर्धन :	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ४			
PSA401/PSS401	मनश्चिकित्सा	4	70+30
PSA402/PSS402	व्यवहार उपान्तरण	4	70+30
PSA403/PSS403	स्वास्थ्य मनोविज्ञान	4	70+30
PSA404/PSS404	मनश्चिकित्सा प्रायोगिक	2	70+30
PSA405/PSS405	योग	2	70+30
PSA406/PSS407	आयुर्वेदिक मनश्चिकित्सा/स्वदेशी तकनीकि मनश्चिकित्सा	4	70+30
PSA406/PSS407	सकारात्मक मनोविज्ञान/प्रयुक्त सामाजिक मनोविज्ञान	4	70+30
कौशल संवर्धन :	सामाजिक परिवीक्षा	2	100

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

अवधि
2 वर्ष

उद्देश्य
पाठ्क्रम का उद्देश्य उच्चस्तरीय मनोवैज्ञानिक एवं उत्कृष्ट मनश्चिकित्सक तैयार करना है। इस हेतु विद्यार्थियों को समग्र रूप से कुशल बनाने हेतु नैदानिक मनोविज्ञान के पाठ्यक्रम में आधुनिक पाश्चात्य चिकित्सा विधियों के साथ भारतीय विद्याओं (आयुर्वेद, योग, ज्योतिष एवं वैदिक ज्ञान से संबंधित) एवं अन्य सम्बद्ध विषयों जैसे कि विधेयात्मक मनोविज्ञान आदि की सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक जानकारी दी जाती है। अनुभवी मनोवैज्ञानिकों एवं मनश्चिकित्सकों के कुशल मार्गदर्शन में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इस हेतु आधुनिकतम उपकरणों से सज्जित प्रयोगशाला की सुविधा है।

जीविकोपार्जन के अवसर
- परामर्शदाता
- नैदानिक समन्वयक
- मानसिक स्वास्थ्य सहायक
- निवासी काउंसलर

प्रमाण–पत्र – पशु प्रजनन एवं प्रबन्धन [C10]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
CAB101	शरीर रचना क्रिया विज्ञान एवं पशु प्रबन्धन	4	70+30
CAB102	पशु प्रजनन, कृत्रिम वीर्य निषेचन एवं प्रसूति शास्त्र	4	70+30
CAB103	पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य	4	70+30
CAB104	प्रायोगिक– पशु प्रबन्धन एवं पशु स्वास्थ्य	3	70+30
CAB105	प्रायोगिक– पशु प्रजनन एवं वीर्य निषेचन	4	70+30
	जीवन प्रबन्धन		

प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम

अवधि

6 माह

जीविकोपार्जन के अवसर

१. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसे उपक्रम को आरम्भ करने योग्य बनाना है जो 4–5 गाँव को सेवा देते हुए आजीविका अर्जन कर सकें।
२. गौशालाओं एवं पशु फॉर्म हेतु ऐसे योग्य व्यक्ति तैयार करना जो पशु चिकित्सकों के सहायक के रूप में कार्य कर सकें एवं ए.आई. कार्य, प्राथमिक पशु चिकित्सा, एनीमल हाउसिंग, आहार व्यवस्था एवं प्रजनन प्रबन्धन जैसे कार्यों के लिए पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्ति।
३. ऐसे कार्यकर्त्ता तैयार करना जो हमारे मिशन के उदेद्श्य के अनुसार गायों की स्वदेशी प्रजातियों का विकास कर सके।

स्नातक- बैचलर ऑफ रूरल स्टडीज़ [B10]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
BRS 101	ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं ग्रामीण भारत की सामाजिक समस्याएं	3	70+30
BRS 102	कृषि का प्राथमिक परिचय	3	70+30
BRS 103	मानव संसाधन विकास एवं प्रबन्धन	3	70+30
BRS 101(P)	प्रायोगिक - ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक समस्याओं सम्बन्धी अध्ययन	3	100
BRS 102(P)	प्रायोगिक - कृषि	2	100
BRS 103(P)	प्रायोगिक - मानव सन्साधन विकास एवं प्रबन्धन	1	100
BRS 104	संगठनात्मक व्यवहार एवं संगठनात्मक विकास/सुगन्धीय एवं औषधीय पौधों की उत्पादन तकनीक	3	70+30
BRS 104(P)	प्रायोगिक - उपर्युक्त में से कोई एक	1	100
	योग्यता सम्वर्धन अनिवार्य विषय	2	70+30
सत्र २			
BRS 201	ग्रामीण विकास- अवधारणा एवं आयाम	3	70+30
BRS 202	फसल प्रबन्धन एवं उनकी उत्पादन प्रौद्योगिकी	3	70+30
BRS 203	गो पालन के आधारभूत तत्त्व एवं गौशाला प्रबन्धन	3	70+30
BRS 201(P)	प्रायोगिक - परियोजना कार्य ग्रामीण शिक्षा एवं स्वास्थ्य	3	100
BRS 202(P)	प्रायोगिक - मौसमी फसल का उत्पादन एवं उसका प्रबन्धन	2	100
BRS 203(P)	प्रायोगिक - पशुपालन	1	100
BRS 204	एकीकृत कीट एवं व्याधि प्रबन्धन/पशु प्रजनन एवं फार्म प्रबन्धन	3	70+30
BRS 204(P)	प्रायोगिक - उपर्युक्त में से कोई एक	1	70+30
	योग्यता सम्वर्धन अनिवार्य विषय	2	70+30
सत्र ३			
BRS 301	स्वैच्छिक संस्थाएँ/पञ्चायती राज एवं ग्रामीण विकास	3	70+30
BRS 302	ग्रामीण उद्यमिता एवं लघु उद्योग प्रबन्धन	3	70+30
BRS 303	डेयरी प्रबन्धन	3	70+30
BRS 301(P)	प्रायोगिक - स्वयं सेवी संस्थाओं की कार्यशैली का अध्ययन - पञ्चायती राज	3	100
BRS 302(P)	प्रायोगिक - उत्पाद निर्माण एवं कौशल विकास	2	100
BRS 303(P)	प्रायोगिक - डेयरी उत्पाद निर्माण एवं कौशल विकास	1	100
BRS 304	एन. जी. ओ. मैनेजमेंट/ग्रामीण विपणन	3	70+30
BRS 304(P)	प्रायोगिक -उपर्युक्त में से एक	1	100
	कौशल सम्वर्धन अनिवार्य विषय	2	70+30
सत्र ४			
BRS 401	जैविक कृषि, मृदा एवं मृदा उर्वरता प्रबन्धन	3	70+30
BRS 402	कॉमन प्रापर्टी रिसोर्स मैनेजमेंट एवं आजीविका	3	70+30
BRS 401(P)	जैविक खाद निर्माण एवं जैविक कीटनाशक	3	100
BRS 402(P)	ग्रामीण क्षेत्र के सामुदायिक संसाधनों के प्रयोग एवं प्रबन्धन का अध्ययन	2	100
BRS 403(P)	रोजगार से सम्बन्धित चयनित क्षेत्र में एक माह का व्यवहारिक कार्य अध्ययन (माइनर स्पेशलाइज़ेशन)	3	70+30
BRS 404	मशरूम कृषि तकनीक / ऊर्जा विज्ञान	3	70+30
BRS 404(P)	प्रायोगिक -उपर्युक्त में से एक	1	100
	कौशल सम्वर्धन अनिवार्य विषय	2	70+30
सत्र ५			
BRS 501	वर्षा जल संरक्षण एवं वाटरशेड प्रबन्धन	3	70+30
BRS 502	बागवानी का प्राथमिक परिचय	3	70+30
BRS 503	ग्रामीण ऋण, स्वयं सहायता समूह एवं महिला सशक्तिकरण	3	100
BRS 501(P)	प्रायोगिक - दूरी, ढलानों का मापन एवं वाटरशेड का डेवेलपमेंट प्लान तैयार करना	2	100
BRS 502(P)	प्रायोगिक - बागवानी	1	100
BRS 503(P)	प्रायोगिक - महिला स्वयं सहायता समूह निर्माण एवं सञ्चालन	1	100
BRS 504(P)	बागवानी एवं पौधशाला विकास / विपणन प्रबन्धन	3	70+30
	प्रायोगिक -उपर्युक्त में से एक	1	100
	कौशल सम्वर्धन अनिवार्य विषय	2	70+30
सत्र ६			
BRS 601	एकीकृत ग्रामीण विकास-योजना निर्माण एवं उसका प्रबन्धन	3	70+30
BRS 602	ग्रामीण स्वास्थ्य	3	70+30
BRS 603 (P)	प्रायोगिक -एक माह का क्षेत्र अध्ययन, ग्रामीण जीवन एवं अधिगम अनुभव	5	100
BRS 604	रोजगार से सम्बन्धित चयनित क्षेत्र में दो माह का व्यवहारिक कार्य अध्ययन (मेजर स्पेशलाइज़ेशन)	8	100
G.E	सामान्य ऐच्छिक (विश्वविद्यालय में उपलब्ध विकल्पों के अनुसार)	8	100

स्नातक पाठ्यक्रम

अवधि

३ वर्ष

जीविकोपार्जन के अवसर

- एन्.जी.ओ. में नियुक्ति
- स्वयं का एन्.जी.ओ. स्थापित करना
- राजकीय क्षेत्र में नियुक्ति (ग्रामोत्थान)
- गोशाला प्रबन्धक
- निजी लघु उद्योग की स्थापना
- परास्नातक अध्ययन (एम्.आर.एस्.)

एम्.एस्.-सी.-एप्लाइड औषधीय पादप विज्ञान(मेडिसिनल प्लांट्स सांइसेस) [M57]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
Semester I			
MPS101	Botany of Medicinal Plants' (MPs)	4	70+30
MPS102	Seeds, Propagules & Propagation Technology	4	70+30
MPS103	Plant Productivity and Production Techniques	4	70+30
MPS104	Practical-I Botany of Medicinal Plants'	2	50+0
MPS105	Practical-II Seeds, Propagules & Propagation Technology	2	50+0
MPS106	Practical-III Plant Productivity and Production Techniques	2	50+0
	Life Management	2	100
Semester II			
MPS201	Post Harvest Management	4	70+30
MPS202	Basics of Processing Technology	4	70+30
MPS203	Marketing Management of Mps	4	70+30
MPS204	Practical-IV Post Harvest Management of Mps	2	50+0
MPS205	Practical-V Basics of Processing Technology	2	50+0
MPS206	Practical-VI Marketing Management of Mps	2	50+0
MPS207	Thesis work & Synopsis(TAS)	2	0+100
	Life Management	2	100
Semester III			
MPS301	Modern Herbals' Phytology	4	70+30
MPS302	Advances in Seed Science and Propagation Technology	4	70+30
MPS303	Advances in Cultivation Technology	4	70+30
MPS304	Practical-I Modern Herbals' Phytology	2	0+50
MPS305	Practical-II Advances in Seed Science and Propagation Technology	2	0+50
MPS306	Practical-III Advances in Cultivation Technology	2	0+100
MPS307	Thesis Work Continuing(TAS)	4	70+30
MPS308	Herbal R &D Techniques/Herbal Gene bank & Nursery	4	70+30
	Plant Aromas: Farming, Processing & Trade	2	70+30
Semester IV			
MPS401	Modern Trends in Marketing & Agribusiness Management	4	70+30
MPS402	Advances in Processing Technology& Uses	4	70+30
MPS403	Practical – IV (Modern Trends in Marketing & Agribusiness Management)	2	0+50
MPS404	Practical – V (Advances in Processing Technology& Uses)	2	0+50
MPS405	Thesis(TAS)	6	100+100
MPS406	Apiculture and Phytoproductivity/ Cottage Pharming and Swadeshi Healthcare	4	70+30
MPS407	Ethnomedicinal Practices/Herbal Diversity: Status & Conservation	4	70+30
	Herbal Seeds & Seedlings Farms & Agri-business	2	70+30

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

अवधि
2 वर्ष

उद्देश्य
इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को मौलिक जैविक / व्यावसायिक खेती के माध्यम से आत्म निर्भरता के लिए मानव सन्साधन के विकास के साथ विपणन / कारोबार, फॉर्मेसियों, औषधीय और सुगंधीय पौधों के व्यापार से सम्बद्ध ज्ञान प्रदान करना एवं छात्रों को निजी, सार्वजनिक और कार्पोरेट क्षेत्रों में नौकरियों के लिए भी योग्य बनाना है। प्रकृति / जैव विविधता संरक्षण पर शोध की पृष्ठभूमि भी विकसित हो सकेगी ।

जीविकोपार्जन के अवसर
- औषधीय पौधों की खेती में स्वरोज़गार
- औषधीय पौधों के परिच्छेदन प्रबन्धन में स्वरोज़गार
- औषधीय पौधों से औषधि निर्माण में निजी व्यवसाय
- निजी और सरकारी औषधीय निर्माण इकाइयों में रोज़गार के अवसर ।

प्रमाण-पत्र - योग विज्ञान एवं वैकल्पिक चिकित्सा [C04]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
CYG101	योग के आधारभूत तत्त्व	4	70+30
CYG102	राजयोग एवं हठयोग के सिद्धान्त	4	70+30
CYG103	समकालीन योगी एवं उनक चिकित्सकीय विधियां	4	70+30
CYG104	प्रायोगिक(योग)	3	70+30
CYG105	मानव शरीर और योग	4	70+30
CYG106	योग और वैकल्पिक चिकित्सा	4	70+30
CYG107	प्रायोगिक(वैकल्पिक चिकित्सा)	2	100
	जीवन प्रबन्धन	2	100

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

अवधि
6 माह

उद्देश्य
योग केवल साधना पद्धति ही नहीं वरन एक व्यावहारिक विज्ञान भी है। मानवीय चेतना एवं योग के चिकित्सकीय आयामों का ज्ञान, इस विज्ञान के व्यावहारिक पक्षों के अध्ययन के लिए आवश्यक है।

जीविकोपार्जन के अवसर
- योग प्रशिक्षक
- स्व रोजगार
-

पी.जी.डिप्लोमा – आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य [P05]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
PAH101	आयुर्वेद के आधारभूत तत्त्व	4	70+30
PAH102	मानव शरीर – रचना एवं क्रिया-विज्ञान	4	70+30
PAH103	रोग विज्ञान	4	70+30
PAH104	द्रव्य गुण एवं भेषज कल्पना	4	70+30
PAH105	प्रायोगिक- १ (रोग विज्ञान)	1	70+30
PAH106	प्रायोगिक- २ (द्रव्य गुण एवं भेषज कल्पना)	1	70+30
	जीवन प्रबन्धन)	2	-
सत्र २			
PAH201	आयुर्वेदिक आहार एवं रुग्ण आहार व्यवस्था	4	70+30
PAH202	पञ्चकर्म	4	70+30
PAH203	यज्ञोपैथी एवं मर्म चिकित्सा	4	70+30
PAH204	प्रोजेक्ट	6	70+30
PAH205	प्रायोगिक- १ (आयुर्वेदिक आहार)	1	70+30
PAH206	प्रायोगिक- २ (पञ्चकर्म)	1	70+30
PAH207	प्रायोगिक- ३ (यज्ञोपैथी एवं मर्म चिकित्सा)	1	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	-

पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

अवधि
एक वर्ष

उद्देश्य
- छात्रों को आयुर्वेद और इसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बारे में आधारभूत जानकारी प्रदान करना।
- आयुर्वेदिक जीवन शैली के माध्यम से छात्र में सकारात्मक स्वास्थ्य और व्यक्तित्व विकास के लिए जागरूकता को बढ़ावा देना।
- यज्ञ एवं यज्ञोपैथी का प्रारम्भिक परिचय देना ।
- स्वयं और सामाजिक कल्याण के लिए पञ्चकर्म और मर्म चिकित्सा का परिचय देना।
- वानस्पतिक औषधियों की तैयारी तथा वानस्पतिक पौधों की पहचान के बारे में आधारभूत जानकारी प्रदान करना।
- राष्ट्र के समग्र विकास के लिए नैतिक, बौद्धिक और सामाजिक क्रान्ति में सक्रिय भाग लेने के लिए जागरूकता फैलाना।

जीविकोपार्जन के अवसर
- योग शिक्षक
- योग प्रशिक्षक
- स्वरोजगार

स्नातकोत्तर डिप्लोमा – मानव चेतना, योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा [P01]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
PYA101	योग के आधारभूत तत्त्व	4	70+30
PYA102	राजयोग एवं हठयोग के सिद्धान्त	4	70+30
PYA103	योगसूत्रकालीन यौगिक प्रथायें एवं वैकल्पिक चिकित्सा की विधि (पं. श्री राम शर्मा आचार्य जी के विचारों पर आधृत)	4	70+30
PYA104	प्रायोगिक योग– ।	3	70+30
PYA105	शरीर रचना विज्ञान और सम्बद्ध विकार/आयुर्वेद की मूल बातें और एकौषधि चिकित्सा	4	70+30
PYA106	अन्य प्रायोगिक	2	70+30
PYA107	योग के आधारभूत तत्त्व	4	70+30
	योग्यता सम्वर्द्धन/कौशल सम्वर्द्धन	2	
सत्र २			
PYA201	मानव चेतना एवं मानसिक स्वास्थ्य	4	70+30
PYA202	योग चिकित्सा	4	70+30
PYA203	प्राकृतिक चिकित्सा	4	70+30
PYA204	प्रायोगिक योग– ।	4	70+30
PYA205	प्रायोगिक (वैकल्पिक चिकित्सा) – ।।	2	70+30
PYA206	एक्युप्रेशर,और प्राणिक हीलिंग/स्वच्छता,आहार और मर्म चिकित्सा	4	70+30
PYA207	हठ योग और राज योग की मूल सिद्धान्त	4	70+30
	योग्यता सम्वर्द्धन/कौशल सम्वर्द्धन	2	

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

अवधि
1 वर्ष

उद्देश्य
यौगिक अध्ययन हमारे भारत के सन्तों, ऋषियों द्वारा प्रतिपादित मौलिक, आध्यात्मिक, व्यावहारिक, नैतिक, सामाजिक एवं परामनोवैज्ञानिक विचारों का संकलन है। इसमें सभी प्रकार के मानवीय व्यवहार, ज्ञान, अभिव्यक्ति एवं अनुभूति की बात की जाती है। भारत के अतिरिक्त कोई भी देश, जाति या संस्कृति यौगिक अध्ययन को इतनी गहराई से नहीं जानता। योग के अनेकानेक अज्ञात एवं ज्ञात पक्ष हैं। यह वर्तमान पाठ्यक्रम, योग के अनेकानेक सैद्धान्तिक पक्षों पर प्रकाश डालेगा। साथ ही विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान की उपलब्धि भी करायेगा। ये छात्र योग चिकित्सा के क्षेत्र में प्रवीणता प्राप्त कर सकेंगे। यह पाठ्यक्रम प्राकृतिक चिकित्सा, मर्म चिकित्सा की जानकारी का भी अवसर प्रदान करेगा।

जीविकोपार्जन के अवसर
- योग शिक्षक
- योग प्रशिक्षक
- स्व रोजगार
-

बी.एस्.सी. ऑनर्स – योग विज्ञान [B09]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
BYS-101	योग के आधारभूत तत्त्व	4	70+30
BYS-102	मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान -1	4	70+30
BYS-103	प्रायोगिक योग -1	2	70+30
BYS-104	मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान प्रायोगिक -1	2	35+15
सामान्य ऐच्छिक	सामान्य ऐच्छिक -1	6	70+30
योग्यता संवर्धन	योग्यता सम्वर्द्धन -1 (अंग्रेजी संवाद कौशल)	2	35+15
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र २			
BYS-201	हठयोग एवं उनके ग्रन्थों के परिचय	4	70+30
BYS-202	मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान -II	4	70+30
BYS-203	प्रायोगिक योग -2	2	70+30
BYS-204	मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान प्रायोगिक -2	2	35+15
सामान्य ऐच्छिक	सामान्य ऐच्छिक -2	6	70+30
योग्यता संवर्धन	योग्यता संवर्धन -2 (पर्यावरण विज्ञान)	2	35+15
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ३			
BYS-301	पातञ्जल योग दर्शन	4	70+30
BYS-302	योग एवं समग्र स्वास्थ्य	4	70+30
BYS-303	योग शिक्षण की विधियाँ	4	70+30
BYS-304	प्रायोगिक योग - 3	2	35+15
BYS-305	प्रायोगिक - 4 योग शिक्षण	2	35+15
सामान्य ऐच्छिक	सामान्य ऐच्छिक -3	6	70+30
कौशल संवर्धन	(संस्कृत संवाद कौशल)	2	35+15
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ४			
BYS-401	योग समकालीन योग मॉडल	4	70+30
BYS-402	योग चिकित्सा के आधार	4	70+30
BYS-403	जैव रसायन विज्ञान के आधारभूत तत्त्व	4	70+30
BYS-404	प्रायोगिक योग -5	2	70+30
BYS-405	प्रायोगिक – योग चिकित्सा	2	35+15
BYS-406	प्रायोगिक – जैव रसायन विज्ञान	2	35+15
सामान्य ऐच्छिक	सामान्य ऐच्छिक – 4	6	70+30
कौशल संवर्धन	(कम्प्युटर कौशल)	2	35+15
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ५			
BYS-501	जीवनशैली सम्बद्ध विकारों का यौगिक प्रबन्धन	4	70+30
BYS-502	अनुसन्धान कार्यप्रणाली और सांख्यिकी	4	70+30
BYS-503	प्रायोगिक योग -6	2	70+30
BYS-504	प्रायोगिक योग 7 – केस स्टडी	2	70+30
BYS-505	प्रायोगिक सांख्यिकी	2	35+15
BYS-506/BSY-507	योगानुसार मानव शरीर / प्रधान उपनिषदों के सार	4	70+30
BYS-508/BSY-509	योग और मानव मूल्य / योगिक आहार और पोषण	4	70+30
BYS-510	प्रायोगिक – योगानुसार मानव शरीर	2	35+15
BYS-511/ BSY-512	प्रायोगिक - योग और मानव मूल्य / योगिक आहार और पोषण	2	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ६			
BSY-601	मानव चेतना और मानसिक स्वास्थ्य	4	70+30
BSY-602	व्यवहारिक योग	4	70+30
BSY-603	प्रायोगिक – मानव चेतना और मानसिक स्वास्थ्य	2	35+15
BSY-604	प्रायोगिक योग -8	2	70+30
BSY-605/BSY-606	प्राकृतिक चिकित्सा / योग और मनोचिकित्सा	4	70+30
BSY-607/ BSY-608	व्यक्तित्व निर्माण में भगवद् गीता का सार / आयुर्वेद का परिचय	4	70+30
BSY-609/BSY-610	प्रायोगिक – प्राकृतिक चिकित्सा / योग और मनोचिकित्सा	2	35+15
BSY-611/BSY-612	भगवद् गीता उच्चारण / प्रायोगिक (आयुर्वेद का परिचय)	2	35+15
BSY-613	शोध परियोजना	4	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100

स्नातक पाठ्यक्रम

अवधि
2 वर्ष

उद्देश्य
इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सीय व्यवस्था हेतु योग चिकित्सक तैयार करना है। इस पाठ्यक्रम में योग को सिर्फ क्रियाओं के रूप में नहीं बल्कि समग्र जीवन जीने की विज्ञान के रूप में प्रस्तावित है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को योग से विभिन्न मानसिक एवं शारीरिक समस्याओं की चिकित्सा एवं रोकथाम में योग की भूमिका को स्पष्ट करता है। यह पाठ्यक्रम उत्सुक विद्यार्थियों को विशिष्ट चिकित्सकों के पर्यवेक्षण में योग चिकित्सक के रूप में कार्य करने की योग्यता भी प्रदान करता है।

जीविकोपार्जन के अवसर
- योग चिकित्सक के रूप में
- प्राथमिक स्तर पर योग शिक्षक
- सरकारी संस्थानों के साथ
- स्वरोजगार

एम्. एस्. सी.- व्यावहारिक योग एवं मानव उत्कर्ष [M52]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
AYE101	योग के मूल तत्त्व एवं मानव उत्कर्ष	4	70+30
AYE102	हठयोग एवं मानव उत्कर्ष	4	70+30
AYE103	प्रबन्धन की मूल अवधारणा एवं सिद्धान्त	4	70+30
AYE104	क्रियात्मक - I (योग)	3	70+30
AYE105	क्रियात्मक - III (प्रबन्धन)	2	50
AYE106	योग के मूल आधार	4	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र २			
AYE201	पातञ्जल योग सूत्र एवं मानव उत्कर्ष	4	70+30
AYE202	सांख्यिकी एवं अनुसन्धान प्रणाली विज्ञान	4	70+30
AYE203	मानव शरीर विज्ञान - I	4	70+30
AYE204	समकालीन योग मॉडल	4	70+30
AYE205	क्रियात्मक - II(योग)	3	70+30
AYE206	क्रियात्मक - III (आधारभूत जीवविज्ञान)	1	50
AYE207	हठयोग के मूल आधार	4	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ३			
AYE301	योग मानव जीव विज्ञान	4	70+30
AYE302	नेतृत्व एवं दल निर्माण	4	70+30
AYE303	लघु शोध प्रबन्ध	4	70+30
AYE304	क्रियात्मक - III (योग)	3	70+30
AYE305	क्रियात्मक - II (प्रबन्धन)	2	50
AYE306	आहार एवं पोषण	4	70+30
AYE307	मनोविज्ञान के मूलभूत आधार	4	70+30
AYE308	पञ्चकर्म चिकित्सा	4	70+30
AYE309	सांख्यकारिका एवं भगवद्गीता	4	70+30
AYE310	क्रियात्मक (पञ्चकर्म)	1	50
AYE311	क्रियात्मक (मनोविज्ञान)	1	50
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ४			
AYE401	वेदान्त एवं मानव उत्कर्ष	80	20
AYE402	योग चिकित्सा	80	20
AYE403	समग्र प्रबन्धन	80	20
AYE404	क्रियात्मक -IV(योग)	80	20
AYE405 / AYE406	प्राकृतिक चिकित्सा / मर्म चिकित्सा	100	-
AYE407/ AYE408	असामान्य मनोविज्ञान / मानव चेतना	150	20
AYE409 / AYE410	क्रियात्मक (प्राकृतिक चिकित्सा) / क्रियात्मक (मर्म चिकित्सा)	40	-
AYE411	क्रियात्मक (मनोविज्ञान)	40	-
	जीवन प्रबन्धन	100	-

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

अवधि
2 वर्ष

उद्देश्य
मानव स्वाभाविक रूप से सुख, शान्ति, समृद्धि एवं सफलता चाहता है। वह इसके लिए प्रयास करता और साधन जुटाता है। आज तक की प्रगति इसी प्रयास का परिणाम है, किन्तु इस विकास यात्रा में बहुत सारी मनोगत, स्वास्थ्यगत, पारिवारिक, सामाजिक समस्याओं एवं संकटों का भी विकास स्वत: होता चला जा रहा है। ऐसे में आज एक ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता है, जिसके आलोक में व्यक्ति, परिवार व समाज की समस्याओं का वास्तविक समाधान एवं सुख-शान्ति की प्राप्ति हो । भारतीय संस्कृति का प्रकाश स्तम्भ स्वरुप योग विज्ञान ऐसा ही है। दूसरे शब्दों में योग विज्ञान में व्यक्ति, परिवार, समाज एवं राष्ट्र के स्वस्थ, सुखी व समुन्नत होने का रहस्य है।

वैज्ञानिक अनुसन्धानों से यह तथ्य प्रमाणित हो चुका है कि योग जीवन के सभी आयामों को स्वस्थ एवं सुविकसित करता है। मानवीय जीवन के सभी आयामों को मूल्यवान् एवं समुन्नत बनाने की यह सर्वोत्तम वैज्ञानिक विधि है।

जीविकोपार्जन के अवसर
- योग शिक्षक
- सरकारी संस्थानों के साथ
- शैक्षणिक संस्थानों के साथ
- योग चिकित्सक
- स्व रोजगार
-

एम्.एस्.-सी. - योग विज्ञान एवं समग्र स्वास्थ्य [M54]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
YSH101	योग और समग्र स्वास्थ्य के आधारभूत तत्त्व	4	70+30
YSH102	यौगिक ग्रन्थों का परिचय	4	70+30
YSH103	मानव जीव विज्ञान -1	4	70+30
YSH104	प्रायोगिक (योग)	3	70+30
YSH105	प्रायोगिक (मानव जीव विज्ञान)	1	70+30
YSH106/YSH107	योग के आधारभूत तत्त्व/यौगिक ग्रन्थों के मूल तत्त्व	4	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र २			
YSH201	हठ योग के सिद्धान्त और समग्र स्वास्थ्य	4	70+30
YSH202	मानव जीव विज्ञान	4	70+30
YSH203	समकालीन यौगिक मॉडल	4	70+30
YSH204	प्रायोगिक (योग)	3	70+30
YSH205	प्रायोगिक (जीव विज्ञान)	1	70+30
YSH206/YSH207	हठ योग के मूल बातें/समकालीन यौगिक मॉडल	4	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ३			
YSH301	पातञ्जल योग सूत्र और समग्र स्वास्थ्य	4	70+30
YSH302	अनुसन्धान कार्यप्रणाली और सांख्यिकी	4	70+30
YSH303	परियोजना	4	100
YSH304	प्रायोगिक(योग)	3	70+30
YSH305/YSH306	आहार और पोषण/मनोविज्ञान के आधारभूत तत्त्व	4	70+30
YSH307/YSH308	पञ्चकर्म/सामान्य विकार और पैथोलॉजी	4	70+30
YSH309/YSH310	प्रायोगिक (पञ्चकर्म)/प्रायोगिक (सामान्य विकार और पैथोलॉजी)	1	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ४			
YSH401	वेदान्त एवं समग्र स्वास्थ्य	4	70+30
YSH402	योग चिकित्सा	4	70+30
YSH403	लघु शोध	4	100
YSH404	प्रायोगिक (योग)	3	70+30
YSH405/YSH406	प्रकृतिक चिकित्सा/मर्म चिकित्सा	4	70+30
YSH407/YSH408	मनोवैज्ञानिक विकारों की यौगिक प्रबन्धन / नैदानिक विधि और आधुनिक निदान विधि	4	
YSH409/YSH410/YSH411	प्रायोगिक (प्रकृतिक चिकित्सा)/प्रायोगिक (मर्म चिकित्सा)/ प्रायोगिक(नैदानिक विधि और आधुनिक निदान विधि)	1	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

अवधि
2 वर्ष

उद्देश्य
असन्तुलित दिनचर्या, अकर्मण्य जीवनशैली एवं तकनीकी क्रान्ति से उपजी विभिन्न शारीरिक-मानसिक व्याधियाँ मानव जीवन के अस्तित्व के लिए संकट बनकर सामने खड़ी हैं। आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों ने तमाम प्रगति के बाद भी पूर्ण निदान देने हेतु वैकल्पिक चिकित्सा की ही वकालत की है।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम युग ऋषि, मुनि, साधु-सन्तों के आनुभविक जीवन का सार है। यह मानव जीवन के सभी आयामों का स्पर्श करता है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम योग विज्ञान एवं समग्र स्वास्थ्य (एम्.एस्.-सी.) में योग के उच्चस्तरीय व्यावहारिक सिद्धान्तों के साथ-साथ इसके चिकित्सकीय पक्ष पर प्रकाश डालता है जिसमें मानव के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने के विभिन्न पद्धतियों का समावेश किया गया है। इसके अतिरिक्त योग द्वारा मानव विकृतियों के सुधार में अनुसन्धान को बढ़ावा देगा, जो आज की समस्याओं - का तार्किक पक्ष से युक्त समाधान करने में सक्षम होगा ।

जीविकोपार्जन के अवसर
- योग शिक्षक
- गैर सरकारी संगठनों के साथ
- सरकारी संस्थानों के साथ
- शैक्षणिक संस्थानों के साथ
- स्व रोजगार
- योग चिकित्सक

एम्.एस्.-सी. - मानव चेतना एवं योग विज्ञान [M55]

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्याङ्कन के अंक (बाह्य + आन्तरिक)
सत्र १			
HCS101	योग के आधारभूत तत्त्व	4	70+30
HCS102	मानव चेतना	4	70+30
HCS103	मानव जीवविज्ञान और योग	4	70+30
HCS104	योग प्रायोगिक	3	70+30
HCS105/HCS106	योग के आधारभूत तत्त्व/योग ग्रन्थों के परिचय	4	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र २			
HCS201	हठयोग के सिद्धान्त एवं प्रणाली	4	70+30
HCS202	मानव जीव विज्ञान और योग- 2	4	70+30
HCS203	समकालीन योग मॉडल	4	70+30
HCS204	योग प्रायोगिक - 1	3	70+30
HCS205	मूलभूत जीव विज्ञान	1	70+30
HCS205/HCS206	हठ योग की मूल बातें/समकालीन यौगिक निदर्श	4	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ३			
HCS301	पातञ्जल योग सूत्र	4	70+30
HCS302	अनुसन्धान कार्यप्रणाली और सांख्यिकी	4	70+30
HCS303	परियोजना	4	70+30
HCS304	योग प्रायोगिक - 1	3	70+30
HCS305/HCS306	आहार व पोषण/मनोविज्ञान के आधारभूत तत्त्व	4	70+30
HCS307/HCS308	पञ्चकर्म/सांख्य कारिका और भगवद्गीता	4	70+30
HCS309	प्रायोगिक पञ्चकर्मा	1	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र ४			
HCS401	वेदान्त दर्शन	4	70+30
HCS402	योग चिकित्सा	4	70+30
HCS403	लघु शोध	4	100
HCS404	योग प्रायोगिक	3	70+30
HCS405/HCS406	प्राकृतिक चिकित्सा/मर्म चिकित्सा	4	70+30
HCS407/HCS408	कर्म योग/तन्त्र और मानव चेतना	4	70+30
HCS409/HCS310	प्रायोगिक (प्राकृतिक चिकित्सा)/प्रायोगिक (मर्म चिकित्सा)	1	70+30
	जीवन प्रबन्धन	2	100

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

अवधि
2 वर्ष

उद्देश्य
इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य भारतीय योग पद्धतियों की दार्शनिक व व्यवहारिक जानकारी देना व साथ ही भारतीय वैकल्पिक चिकित्सा के बारे में जागरूक करना है ताकि आने वाले समय में विद्यार्थी योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी सेवा समाज को दे सकें व इसमें नए अनुसन्धान कर सकें।

जीविकोपार्जन के अवसर
योग शिक्षक
गैर सरकारी संगठनों के साथ
सरकारी संस्थानों के साथ
शैक्षणिक संस्थानों के साथ
स्व रोजगार
योग चिकित्सक

बी.ए.

कोड	कोर्स	आयु सीमा	अर्हताएँ
B01	बी.ए.	22 वर्ष	किसी भी मान्यता प्राप्त माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से 10+2 पाठ्यक्रम के अनुसार न्यूनतम 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण। वाणिज्य विधा से उत्तीर्ण विद्यार्थी केवल बी.ए. पाठ्यक्रम में प्रवेश के अधिकारी होंगे।

प्रवेश

- लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार

ऐच्छिक विषय समूह (कोई एक)

१ मनोविज्ञान + भारतीय इतिहास एवं संस्कृति + अंग्रेजी साहित्य
२ मनोविज्ञान + संगीत + अंग्रेजी साहित्य
३ शिक्षाशास्त्र + भारतीय इतिहास एवं संस्कृति + संस्कृत साहित्य
४ शिक्षाशास्त्र + भारतीय इतिहास एवं संस्कृति + हिन्दी साहित्य
५ मनोविज्ञान + संगीत + संस्कृत साहित्य
६ संगीत + भारतीय इतिहास एवं संस्कृति + हिन्दी साहित्य
७ शिक्षाशास्त्र + मनोविज्ञान + अंग्रेजी साहित्य

अनिवार्य विषय

- जीवन प्रबन्धन
- वैज्ञानिक अध्यात्मवाद
- अंग्रेजी संवाद/संस्कृतसंवादकौशलम्

टिप्पणी:

- प्रवेश के समय ऊपर दिए गए सूचीबद्ध वैकल्पिक विषय समूहों में से एक का चयन करना होगा। चुने हुए वैकल्पिक विषय समूह को केवल एक बार और प्रवेश के 15 दिनों के भीतर बदला जा सकता है।
- अन्तिम वर्ष में विद्यार्थी को चयनित विषयों में से किसी एक विषय का त्याग करना पड़ेगा एवं शेष दो विषयों में से किसी एक में ही वह इण्टीग्रेटेड/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश का अधिकारी होगा।
- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की २०% सीटें इन्टीग्रेटेड विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित रखी जायेंगी।
- किसी विषय में यदि 10 से कम विद्यार्थी प्रवेश लेते हैं, तो उस विषय के अध्यापन की व्यवस्था करने/न करने का निर्णय विश्वविद्यालय को होगा।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना को एक वैकल्पिक विषय के रूप में जोड़ा जा सकता है।

नोट: यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सी. बी. सी. एस्. प्रतिरूप के अनुसार संशोधित किया जायेगा।

च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम

वर्तमान में भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान परंपरागत वार्षिक प्रणाली से सेमेस्टर सिस्टम की ओर आगे बढ़ रहे हैं। अनेक संस्थान अपने पाठ्यक्रम को च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS)के आधार पर प्रस्तुत कर चुके हैं। सेमेस्टर सिस्टम शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया को गति देता है तथा सीखने में ऊर्ध्वाधर, क्षैतिज और समग्र गतिशीलता को सक्षम बनाता है। क्रेडिट आधारित सेमेस्टर सिस्टम पाठ्यक्रम तैयार करने और पाठ्यक्रम की सामग्री और शिक्षण के घण्टे के आधार पर क्रेडिट निर्दिष्ट करने में सरलता एवं लचीलापन प्रदान करता है। च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम एक 'कैफेटेरिया' प्रकार का दृष्टिकोण प्रदान करता है। जिसमें छात्र अपनी पसन्द के पाठ्यक्रम ले सकते हैं, अपनी गति से सीख सकते हैं, अतिरिक्त पाठ्यक्रमों को सीख सकते हैं, आवश्यक क्रेडिट से अधिक प्राप्त कर सकते हैं साथ ही सीखने के लिए विषयान्तर का दृष्टिकोण भी अपना सकते हैं।

१. कोर पाठ्यक्रम

विद्यार्थी द्वारा अनिवार्य रूप से पढ़ा जाने वाला पाठ्यक्रम जिससे उसे पाठ्यक्रम से सम्बद्ध मूल ज्ञान प्राप्त हो सके। यह कोर्स पाठ्यक्रम में अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाना है, इसीलिये इसे कोर पाठ्यक्रम कहा जाता है।

२. ऐच्छिक पाठ्यक्रम

- एक ऐसा पाठ्यक्रम जिसे उपलब्ध पाठ्यक्रमों के पूल (सूची) में से चुना जा सकता है और
- जो कि पाठ्यक्रम कि दृष्टि से विशेष, उन्नत या सहायक भूमिका निभा सकता हो अथवा
- जो अध्ययन को व्यापकता प्रदान करता हो अथवा
- जो कुछ अन्य अनुशासन / विषय / डोमेन में अनुभव प्रदान करता हो अथवा
- जो विद्यार्थी की कुशलता / निपुणता को बढ़ाता हो

वह ऐच्छिक पाठ्यक्रम कहलाता है।

२.१.१ डिसिप्लिन स्पेसेफिक इलेक्टिव (DSE) कोर्स : निम्नतम २ कोर्स
मुख्य शिक्षण के अन्तर्गत प्रस्तावित वैकल्पिक कोर्स को डिसिप्लिन स्पेसेफिक इलेक्टिव (DSE) कोर्स कहा जाता है।
निम्नतम २ कोर्स

२.२ परियोजना कार्य / लघु शोध प्रबन्ध
विशेष / उन्नत ज्ञान की प्राप्ति हेतु बनाया गया ऐसा पाठ्यक्रम जिसे विद्यार्थी शिक्षक की सलाह व समर्थन के आधार पर स्वयं अपने अध्ययन से पूरा करता है। जैसे- परियोजना कार्य, शोध निबन्ध, इत्यादि।

२.३ जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम :
एक ऐसा एच्छिक पाठ्यक्रम जो कि किसी दूसरे डिसिप्लिन से अन्य अध्ययन क्षेत्रों में अनुभव प्राप्त करने के प्रयोजन के साथ चुना जाये, सामान्य ऐच्छिक या जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम कहलाता है। इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को कोर व डीएसई (DSE) कोर्स के अतिरिक्त अध्ययन की स्वतन्त्रता प्रदान करना है।
एक (GE) प्रति पाठ्यक्रम

किसी एक डिसिप्लिन द्वारा प्रस्तावित कोर पाठ्यक्रम को दूसरे डिसिप्लिन के विद्यार्थियों द्वारा ऐच्छिक पाठ्यक्रम के रूप में भी पढ़ा जा सकता है। ऐसी स्थिति में उस विद्यार्थी हेतु उस पाठ्यक्रम को जनरिक इलेक्टिव माना जायेगा।

३. योग्यता वृद्धि पाठ्यक्रम (AEC):

३.१ योग्यता वृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम (AECC)
यह वह पाठ्यक्रम हैं जो विद्यार्थियों में अतिरिक्त ज्ञान की वृद्धि में सहायक होते हैं।
१. पर्यावरण विज्ञान
२. अंग्रेजी /हिन्दी /एम.आई.एल (आधुनिक भारतीय भाषा)

३.२ कौशल विकास पाठ्यक्रम
यह मूल्यपरक / कौशल विकास करने वाला पाठ्यक्रम जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगार परक कौशल प्रदान करना है।

३.३ जीवन प्रबन्धन (विश्वविद्यालयीन विशिष्ट अनिवार्य नॉन क्रेडिट पाठ्यक्रम)

४. प्रायोगिक / ट्यूटोरियल

Evaluation = TEE(Term End Examination-70%) + CIE(Continuous Internal Evaluation-30%)

CIE Pattern

Type of Test	Marks/Test	Marks/ Test (Actual)	No. of Tests (Weighted)	Total Marks
Written Exam (W)	30	6	4(Best of 3)	18
Home Assignments (H) (Individual/Group) (1000 words, Hand written)	30	3	1	3
Seminars (S) (Photo/Videography/ppt/ Chart)	30	3	1	3
Quizzes (Q) (Surprise)	15	1.5	2	3
Attendance (A)	System Calculated	-	-	3
Grand Total				**30**

Conversion of percentage marks to letter grade

Letter Grade	Grade Point	Percentage Marks Range*
O (Outstanding)	10	>90 and <=100
A+ (Excellent)	9	>80 and <=90
A (Very Good)	8	>70 and <=80
B+ (Good)	7	>60 and <=70
B (Above Average)	6	>50 and <=60
C (Average)	5	>40 and <=50
D (Below Average)	4	40
F (Fail)	0	<40
AB (Absent)	0	-
S/ U (Satisfactory/ Unsatisfactory)	-	>=50 (For Non-Credit Courses)

$$SGPA = \frac{\sum_{i=1}^{m} w_i g_i}{\sum_{i=1}^{m} w_i}$$

w_i = credits of i^{th} course
g_i = grade points of i^{th} course